राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार, 17 फरवरी 2026

वर्ष 14,अंक 298, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

गोमतीनगर स्टेशन पर बनेगा जीआरपी थाना, अब मामला दर्ज कराने के लिए नहीं भटकेंगे यात्री..03

चित्रकूट में गौरिहार मंदिर को तोड़ने का विरोध, संत समाज ने खोला मोर्चा..04

असमः विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी छोड़ी, बोले- आत्मसम्मान का सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- असम में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने सोमवार (16 फरवरी) को इस्तीफा दे दिया है. कुछ ही दिन पहले उन्हें चुनाव के मद्देनज़र संभावित गठबंधन वार्ताओं को आगे बढ़ाने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी. भूपेन बोरा 2021 से 2025 तक असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे. पिछले वर्ष उनकी जगह गौरव गोगोई को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था. बोरा असम में दो बार विधायक भी रह चुके हैं।

बोरा ने कहा कि बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह लगभग 8 बजे पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंप दिया. उन्होंने कहा, 'यह आत्मसम्मान का सवाल है और मैंने पार्टी के संचालन के तरीके को लेकर अपनी चिंताओं से भी केंद्रीय नेतृत्व को अवगत करा दिया है... जब हमारी गाड़ी माजुली गई, अगर पार्टी यह तय नहीं कर सकती कि कौन जाएगा और कौन नहीं जाएगा, तो ऐसे में पार्टी का भविष्य क्या होगा? मैंने यह बात केंद्रीय नेतृत्व को बता दी है.' बोरा ने यह टिप्पणी पिछले शुक्रवार माजुली में आयोजित कांग्रेस रैली के संदर्भ में की, जिसका नेतृत्व गौरव गोगोई ने किया था. उस रैली में बोरा, असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया और सांसद रकीबुल हुसैन भी मौजूद थे. 55 वर्षीय भूपेन बोरा 2006 से 2016 तक बिहपुरिया विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक रह चुके हैं. वे 1994 से कांग्रेस से जुड़े रहे हैं. उन्होंने अपना त्यागपत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजा है. खरगे को लिखे अपने पत्र में बोरा ने आरोप लगाया है कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उनकी अनदेखी की जा रही थी और प्रदेश इकाई में उन्हें उनका उचित सम्मान और भूमिका नहीं दी जा रही है।

बोरा ने अपनी नाराजगी के बारे में पूछे जाने पर मीडिया से कहा, ' मैं इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन यह आत्मसम्मान का मामला है.' उन्होंने बताया कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व को असम में पार्टी के संचालन के तरीके के बारे में अवगत कराया है. उन्होंने इशारा किया कि राज्य नेतृत्व छोटे-छोटे मामलों में भी सही निर्णय लेने में विफल रहा है. बोरा ने कहा, 'मैंने केंद्रीय नेतृत्व से कहा है कि यदि पार्टी इसी तरह चलाई गई तो उसका भविष्य अनिश्चित होगा. हमारे गठबंधन सहयोगियों सहित सभी जानते हैं कि पार्टी में क्या हो रहा है और इसे किस तरह संचालित किया जा रहा है.' पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या वे चुनाव से पहले किसी अन्य पार्टी में शामिल होंगे, बोरा ने कहा कि अभी तक किसी भी दल ने उन्हें 'कोई प्रस्ताव' नहीं दिया है. उन्होंने कहा, 'किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं आया है, लेकिन यह सच है कि मैंने राजनीति को अलविदा कहने के लिए इस्तीफा नहीं दिया है.' उनका इस्तीफा ऐसे समय आया है जब राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो रही हैं, जिससे कांग्रेस की रणनीति पर असर पड़ सकता है. असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव इस वर्ष मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है. कांग्रेस कई अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

महोबा में भ्रष्टाचार की 'दरार': उद्घाटन से पहले ही फटी करोड़ों की पानी की टंकी, विधायक ने पहले ही मंत्री को किया था अलर्ट!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के महोबा जिले से भ्रष्टाचार का एक ऐसा नमूना सामने आया है जिसने 'हर घर नल योजना' के दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं। जैतपुर ब्लॉक के नगारा डांग गांव में जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकी पहली बार भरते ही दरक गई। घटिया निर्माण का आलम यह है कि टंकी की दीवारों से पानी का झरना बहने लगा है, जिससे पूरे गांव में दहशत और नाराजगी का माहौल है।

पहली बार में ही जवाब दे गई टंकी

साल 2025 में पूरी हुई इस परियोजना का अभी उद्घाटन भी नहीं हुआ था कि इसने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने बताया कि जैसे ही टंकी को पूरा भरा गया, उसकी दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं और पानी का भारी रिसाव (Leakage) शुरू हो गया। टंकी फटने की कगार पर है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

सच साबित हुई विधायक की चेतावनी

दिलचस्प बात यह है कि कुछ दिन पहले ही चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत ने जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह का रास्ता रोककर इस योजना में हो रही धांधली की शिकायत की थी। नगारा डांग गांव की यह रिसती हुई टंकी विधायक के आरोपों का जीता-जागता सबूत बन गई है।

ग्रामीणों का दर्द- 'आधे गांव की प्यास भी नहीं बुझी'

ग्रामीण पूरन और सुशीला का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी यह टंकी 'सफेद हाथी' साबित हो रही है। एक तरफ टंकी से लाखों लीटर पानी बह रहा है। दूसरी तरफ पाइपलाइन के घटिया काम की वजह से आधे गांव के नलों में पानी तक नहीं पहुंचा है। वहीं घरों के बाहर लगे नल सिर्फ दिखावे की वस्तु बनकर रह गए हैं।

दोषियों पर एक्शन की तैयारी

नगारा डांग की ग्राम प्रधान गायत्री ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी (DM) को लिखित शिकायत सौंपी है। उन्होंने मांग की है कि निर्माण में इस्तेमाल की गई घटिया सामग्री की उच्चस्तरीय जांच हो। जनता के पैसे की बर्बादी करने वाले ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों पर स्नढ्ढक्रदर्ज हो। टंकी को तुरंत दुरुस्त कर गांव में जलापूर्ति सुचारू की जाए।

घाटमपुर में अवैध रूप से कांटे गए कई हरे नीम के पेड़

घाटमपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र के रवाईपुर गांव में काटन माफियाओं द्वारा बिना अनुमति के कई हरे पेड़ काट दिए गए,, सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी ,,इस क्षेत्र में हरे पेड़ो की कटान का कोई नया मामला नहीं है,वन विभाग कै द्वारा कारवाई के वावजूद काटन माफियाओं पर कोई डर देखनै को नहीं मिला,अक्सर ऐसी सूचनाएं आती रहतीं हैं, रवाई पुर गांव के पास लगभग 7 से 8, हरे नीम के पेड़ काटे गए हैं,, इनमें से कुछ पेड़ों की चौड़ाई काफ़ी अधिक थी, जिससे यह प्रतीत होता है कि यह पेड़ कई वर्षों पुराने हैं घाटमपुर वन रेंज अधिकारी राकेश पाण्डेय ने इस संबंध में जानकारी दी उन्होंने बताया कि नीम एक प्रतिबंधित श्रेणी में आता है इसकी कटाई के लिए प्रशासन से उचित अनुमत लेना अनिवार्य है , उत्तर प्रदेश वन अधिनियम के त तहत बिना अनुमति के नीम महुआ,आम जैसे पैडों को काटना दंडनीय अपराध है अधिकारी ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त ख़बरें

कानपुर में पत्नी और बेटे की हत्या करके ट्रेन की पटरी पर लेटा रिटायर्ड फौजी, कटकर दी जान

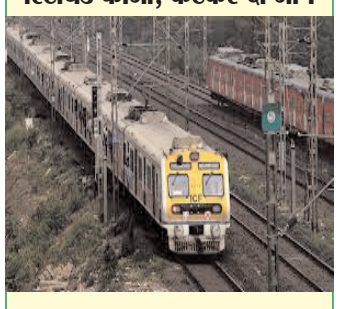

कानपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना में रिटायर्ड फौजी ने अपनी पत्नी और 16 वर्षीय बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी. इसके बाद खुद रेलवे ट्रैक पर लेटकर मालगाड़ी के नीचे कटकर आत्महत्या कर ली. यह सनसनीखेज वारदात सोमवार सुबह सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के बखरिया गांव (तुलसियापुर क्षेत्र) में हुई, जिसने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है.

पुलिस के अनुसार, मृतक रिटायर्ड फौजी की पहचान चेतराम पासवान (51 वर्ष) के रूप में हुई है. उन्होंने अपनी लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक से पत्नी सुनीता वर्मा (40 वर्ष) और बेटे दीप (16 वर्ष) की हत्या की. घटना के बाद चेतराम पासवान बाइक से घर से निकले और करीब तीन किलोमीटर दूर कठोगर-इमलीपुर रेलवे अंडरपास के पास रेलवे ट्रैक पर लेट गए, जहां एक मालगाड़ी से कटकर उनकी मौत हो गई.

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. रेलवे ट्रैक पर पड़े शव की जेब से आधार कार्ड और बाइक के नंबर के आधार पर उसकी पहचान चेतराम पासवान के रूप में हुई. पुलिस टीम तुरंत उनके घर पहुंची तो मुख्य द्वार बाहर से बंद था. आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला. पुलिस ने दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया तो घर के भीतर सुनीता वर्मा और दीप के शव खून से लथपथ पड़े मिले. पास में ही डबल बैरल बंदूक रखी हुई थी.

पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि चेतराम पासवान ने पहले घर में पत्नी और बेटे को गोली मारी, फिर मुख्य द्वार पर ताला लगाकर घटनास्थल से निकल गए और आत्महत्या कर ली. प्रथम दृष्टया इसे डबल मर्डर के बाद सुसाइड का मामला माना जा रहा है. हालांकि, इस खौफनाक वारदात के पीछे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है. पुलिस इसे पारिवारिक विवाद, मानसिक तनाव या किसी अन्य कारण से जोड़कर जांच कर रही है.

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे. शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है. फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं. बंदूक को जब्त कर जांच की जा रही है. पड़ोसियों और परिजनों से पूछताछ की जा रही है ताकि हत्या की सही वजह का पता लगाया जा सके.

अब तो ट्रेंड बन गया है, CM सरमा के शूटिंग वीडियो विवाद पर SC का सुनवाई से इनकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिकाकर्ताओं से गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने के लिए कहा। सोशल मीडिया पर वायरल टारगेट-शूटिंग वाले वीडियो को लेकर सीएम सरमा के खिलाफ दायर की गई याचिकाओं में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने सवाल किया कि याचिकाकर्ताओं ने गुवाहाटी हाई कोर्ट का रुख क्यों नहीं किया। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि उसके अधिकार को 'कमतर नहीं किया जाना चाहिए।' चीफ जस्टिस सूर्यकांत के अध्यक्षता वाली बेंच ने यह भी कहा कि चुनाव से पहले याचिकाएं दाखिल करना एक ट्रेंड बनता जा रहा है। बेंच ने कहा, 'यह एक परेशान करने वाला ट्रेंड है कि हर मामला यहीं खत्म होता है। आप हाई कोर्ट्स की वैलिडिटी को कम मत आंकिए। आप हाई कोर्ट का हौसला तोड़ रहे हैं।

अभिषेक मनु सिंघवी ने क्या कहा?

वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने जवाब दिया कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को उठाने के लिए अपनी समझ का इस्तेमाल कर सकता है और इस मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेटिव टीम की मांग पर जोर दिया। चीफ जस्टिस की 'हाईकोर्ट का हौसला तोड़ने' वाली फटकार पर सिंघवी ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री 'संविधान और पूरे समुदाय का हौसला तोड़ रहे हैं।' मामले पर बहस करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर इस पर सुनवाई नहीं हुई तो लोगों के अधिकार कम हो जाएंगे। यह मौजूदा मुख्यमंत्री हैं जो जमीन न देने के लिए कह रहे हैं... हम पुलिस केस चाहते हैं। तो फिर मुझे दूसरे हाई कोर्ट भेजो।

हाई कोर्ट को कमजोर करने की सोची समझी कोशिश

इस पर चीफ जस्टिस ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट शॉपिंग के लिए एक आसान जगह नहीं हो सकती। सिर्फ इसलिए कि सभी सीनियर वकील यहीं हैं। वहां अच्छे वकील भी हैं। यह हाई कोर्ट की अथॉरिटी को कमजोर करने की यह एक सोची-समझी कोशिश है। 'उन्होंने आगे कहा, 'आपको दूसरे हाई कोर्ट में भेजना (गुवाहाटी हाई कोर्ट पर) एक गंभीर आरोप है, जिसे मैं पूरी तरह से खारिज करता हूं। मुझे पूरे देश में न्यायिक प्रशासन का ध्यान रखना है।

क्या है मामला?

दरअसल, जिन घटनाओं पर सुनवाई की मांग हो रही है, उनमें रूलिंग भारतीय जनता पार्टी की असम यूनिट का जारी किया गया एक वीडियो भी शामिल है। इसमें सीएम सरमा मुसलमानों की एक तस्वीर पर गोली चलाते हुए दिख रहे हैं। इसके अलावा, उससे पहले मियां, यानी बंगाली बोलने वाले मुसलमानों के बारे में भी कमेंट किए गए थे।

नगर निगम में घपला: विजिलेंस के पास पहुंची 135 करोड़ के टैंडरों में हुए फर्जीवाड़े की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- नगर निगम में 135 करोड़ की लागत से होने वाले विकास कार्यों के टैंडरों की आड़ में हुए फर्जीवाड़े की शिकायत विजिलेंस के पास पहुंच गई है। इस मामले के किंगपिन पटियाला से आकर अफसरों व नेताओं के करीबी बने एस.ई. शाम लाल गुप्ता व एक्सियन अरविंद को माना जा रहा है जिनके द्वारा 5 से 13 करोड़ की लागत वाले विकास कार्यों के लिए ग्रुप में टैंडर बनाकर ऐसी शर्तें लगाई जिन्हें चुनिंदा ठेकेदार ही पूरी करते थे। यह बात उस समय साबित हो गई, जब बड़े ठेकेदारों ने आपस में पूल करके बांटे गए इन टैंडरों में नाममात्र लैस डाला। हालांकि कुछ ठेकेदारों द्वारा बागी होकर ज्यादा लैस डाला गया लेकिन उन्हें शर्तें पूरी न करने का हवाला देते हुए आऊट कर दिया गया। इनमें से एक ठेकेदार द्वारा जहां लीगल नोटिस दिया गया है तो दूसरे ठेकेदार की तरफ से बाकायदा एफीडेविट के रूप में विजिलेंस को शिकायत दी गई है जिसमें एस.ई. शाम लाल गुप्ता व एक्सियन अरविंद पर शर्तों में मनमाने ढंग से बदलाव करने के अलावा बड़े ठेकेदारों का पूल सिरे चढ़ाने के लिए टैंडरों को 2 बार पैंडिंग करने का आरोप भी लगाया गया है।

फिरोजपुर रोड स्थित होटल में हुई है करोड़ों के घोटाले की सैटिंग

135 करोड़ के टैंडरों को लेकर एक और ठेकेदार द्वारा मेयर-कमिश्नर से लेकर सी.एम. व विजीलैंस को शिकायत की गई है जिसमें दावा किया गया है कि बडे ठेकेदारों को टैंडर देने के लिए ग्रुप बनाकर शर्तें लगाने की सेटिंग फिरोजपुर रोड स्थित होटल में हुई है जहां ठेकेदारों द्वारा आपस में बांटे गए टैंडर पास करने के बदले में नगर निगम की बी. एंड आर. ब्रांच के आफिसर 5 से 7 प्रतिशत कमीशन मांग रहे हैं। इसके अलावा सड़कें बनाने के जो काम 35 से 40 फीसदी लैस पर हो रहे हैं उन टैंडरों को पूल के तहत 5 फीसदी लैस पर अलॉट करने से सरकार को करोड़ों का नुकसान होगा शिकायतकर्त्ता द्वारा इन आरोपों की पुष्टि के लिए टी.आई.सी. के अफसरों व टैंडरों में हिस्सा लेने वाले ठेकेदारों की कॉल डिटेल व लोकेशन चैक करवाने की मांग की गई है।

पहले एस.ई. पर हो चुकी है गिरफ्तारी की कार्रवाई

यह पहला मामला नहीं है जब नगर निगम की बी. एंड आर. ब्रांच के अफसरों पर टैंडरों की अलॉटमैंट की आड़ में करोड़ों का खेल करने के आरोप लगे हैं। जिसके तहत कुछ समय पहले एस.ई. संजय कंवर को रोज गार्डन की कायाकल्प के टैंडर में 10 फीसदी कमीशन मांगने के आरोप में विजीलैंस द्वारा गिरफ्तार किया गया था लेकिन इस कार्रवाई का नगर निगम की बी. एंड आर. ब्रांच के अफसरों पर कोई असर नजर नहीं आया जिनके द्वारा संजय कंवर की जमानत या बहाली होने से पहले ही पुरानी सैटिंग को सिरे चढ़ने के लिए रोज गार्डन की कायाकल्प के टैंडर को सीनियर डिप्टी मेयर के एतराज के बावजूद दोबारा जारी कर दिया गया है।

कानपुर में ट्रस्ट के फर्जी पट्टे के जरिए जमीन कब्जाने का आरोप, छह अधिवक्ताओं समेत आठ पर रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। रावतपुर के विनायकपुर में हिन्दू धार्मिक ट्रस्ट के नाम पर फर्जी पट्टे के जरिए जमीन कब्जाने के आरोप में छह अधिवक्ताओं समेत आठ लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है। पीड़ित सीएसजेएम विश्वविद्यालय के सहायक प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कब्जा ढहाने की मांग की थी, जिसके बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। चमनगंज निवासी डा.मेराज जाफरी सीएसजेएम यूनिवर्सिटी के रसायन विज्ञान विभाग में सहायक प्रवक्ता हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में रावतपुर के विनायकपुर स्थित आराजी संख्या 806 में 141 गज के दो प्लाट की रजिस्ट्री उनके दिवंगत पिता हसन अब्बास जाफरी और माता जरीना बेगम के नाम पर हुई थी। बाद में उन्होंने उसका दाखिल खारिज भी करा लिया। इसी बीच उसी आराजी के एक भाग में रहने वाले एक अधिवक्ता, महिला समेत तीन लोगों ने दीवार तोड़कर श्री रामलला ट्रस्ट के नाम से आराजी संख्या 1103 बता उर्दू में फर्जी एवं कूटरचित पट्टे को आधार बनाया और उनके दोनों प्लाट पर कब्जा कर लिया। आरोपितों ने प्लाट पर अधिवक्ता एसोसिएट का बोर्ड लगाकर निर्माण कार्य भी शुरू करा दिया, जिसमें छह अधिवक्ताओं का नाम लिखा गया और विरोध पर सभी आरोपित मारपीट पर आमादा हो गए। पुलिस से शिकायत के बाद काम रुका। जिसके बाद वह कोर्ट चले गए जहां स्थगनादेश जारी हुआ लेकिन आरोपितों ने फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर कोर्ट से स्थगनादेश हटवा दिया। कोरोना काल के दौरान पिता हसन अब्बास की मौत हो गई। इसका फायदा उठाकर आरोपितों ने पुनःनिर्माण शुरू करा दिया। उन्हें पुनः पुलिस बुलानी पड़ी। जिसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई लेकिन पुलिस ने कोर्ट का हवाला देकर आख्या लगा दी जबकि उन्होंने धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेजों की शिकायत की थी। पीड़ित ने बताया कि करीब 20 दिन पहले उन्होंने मुख्यमंत्री के जनता दरबार में पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई थी। फिलहाल प्राथमिक जांच के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। पीड़ित डा.मेराज जाफरी का कहना है कि ट्रस्ट एक हिंदू धार्मिक संस्था है, जो किसी गैर-समुदाय से संबंधित व्यक्ति को संपत्ति के दान या उपयोग की अनुमति नहीं देती। इसके बावजूद ट्रस्ट के नाम और प्रतिष्ठा का दुरुपयोग कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए ताकि जमीन पर अवैध निर्माण कराया जा सके। इंस्पेक्टर कमलेश राय ने बताया कि अधिवक्ता एमए खान, इमरान खान, मोहम्मद सलीम, अली अकबर अंसारी, राघवेंद्र पाल, पुण्य प्रताप के अलावा हवीव, हलीमा को आरोपित बनाते हुए दस्तावेजों की जांच कराई जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में किसी भी आरोपित से संपर्क नहीं हो सका है।

पहले अन्नदाता सिर्फ वोटबैंक थे, अब विकास के भागीदार... विधान परिषद में सीएम योगी का सपा पर हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में बजट पर हुई बहस का जवाब देते हुए कहा कि पहले अन्नदाता सिर्फ वोटबैंक थे, अब विकास के भागीदार बन गये हैं. उन्होंने कहा कि प्रदेश के अंदर कृषि और मूलभूत सुविधा को भी आगे बढ़ाया है. सीएम योगी ने कहा कि यूपी ने उपद्रव से उत्सव तक की यात्रा तय की है. गुंडा टैक्स यूपी की नीयत बन गई थी. पुलिस का मनोबल टूटा था. न बेटी सुरक्षित थी और न व्यापारी सुरक्षित था. सीएम योगी ने कहा कि2017 के बाद यही उपद्रव ग्रस्त उत्तर प्रदेश उत्सव प्रदेश बन गया है. आज कानून का राज है. विकास की पहली शर्त कानून का शासन है. सरकार ने इस पर पूरी मजबूती से काम किया है. उन्होंने कहा कि महिला शक्तिकरण पर ध्यान दिया. युवाओं पर नई-नई योजनाएं बनाई. उत्तर प्रदेश में दंगा की जगह उत्सव प्रदेश बन गया है।

2017 से प्रदेश में नहीं हुआ कोई दंगा

उन्होंने कहा कि प्रयागराज में शिवरात्रि के आयोजन में 40 लाख श्रृद्धालुओं ने त्रिवेणी ने स्नान किया था. पहले कुछ लाख श्रद्धालु आते थे. इस बार माघ मेले में 21 करोड़ से अधिक श्रद्धालु त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाया है. श्रद्धालु को व्यवस्था पर विश्वास है. सीएम योगी ने कहा कि 2017 से कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ. यूपी में न कर्फ्यू है और दंगा है. यूपी में सब चंगा है. उन्होंने कहा कि सपा ने महिला राज्यपाल का अपमान किया. उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए आक्रांताओं का महिमामंडन करना, देशद्रोही तबकों का महिमामंडन करना किसी राष्ट्रद्रोह से कम नहीं है. आक्रांताओं का महिमामंडन कर रहे हैं, तो एक तरह से संविधान की अवहेलना कर रहे हैं।

आक्रांताओं का महिमामंडन करना देशद्रोह

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग गाजी के मेले का समर्थन करते हैं. गाजी भारत के परंपरा को रौंधने के लिए आया था. सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या केवल आस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि चेतना का केंद्र है. भारत की इस आत्मा के प्रति सम्मान का भाव रखना, हम सभी के लिए गौरव की बात है. समाजवादी पार्टी को आस्था पर विश्वास नहीं है. उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की पहचान देव दीपावली से होती है. ये केवल आयोजन मात्र नहीं है. अयोध्या के दीपोत्सव, काशी के देव दीपावली और मथुरा के रंगोत्सव से कौन भारतीय नहीं जुड़ा है. आज उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य कर टिप्पणी करते थे. उन्होंने कहा कि आठ वर्षों में जनता पर कोई टैक्स नहीं लगाया. टैक्स चोरी को रोका है. पांच-छह सालों से रेवन्यू सरप्लस के रूप में स्थापित किया है. उत्तर प्रदेश का बैंकों में जमा होने वाला पैसा 100 रुपए में 45 रुपए खर्च होता था. 100 में से 61 से 62 रुपए खर्च होता है. उत्तर प्रदेश सही दिशा में काम कर रहा है।

जब सुप्रीम कोर्ट में एक युवा ने खुद लड़ी अपनी लड़ाई

जबलपुर की साधारण गलियों से निकलकर देश के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचने वाली अर्थव चतुर्वेदी की यात्रा केवल एक छात्र की व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं है बल्कि यह उस जिद्द, आत्मविश्वास और धैर्य का उदाहरण है जो विपरीत परिस्थितियों में भी रास्ता बना लेता है। यह कथा हमें बताती है कि सपनों की राह में आर्थिक सीमाएँ प्रशासनिक बाधाएँ और संसाधनों की कमी दीवार बनकर खड़ी जरूर होती हैंए परंतु दृढ़ निश्चय उन्हें पार कर सकता है। अर्थव चतुर्वेदी का जीवन इसी सत्य का प्रमाण है। एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे इस युवक के सामने भी वही चुनौतियाँ थीं जो देश के लाखों विद्यार्थियों के सामने होती हैंसीमित साधनए अनिश्चित अवसर और भविष्य को लेकर संघर्ष। फिर भी उन्होंने जो राह चुनीए वह असाधारण थी। अर्थव बचपन से ही पढ़ाई में तेज और जिज्ञासु प्रवृत्ति के थे। उनके पिता एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति थे और परिवार की आय सीमित थीए लेकिन घर का वातावरण शिक्षा और अनुशासन से भरा हुआ था। माता ने उन्हें परिश्रम और धैर्य का मूल्य सिखाया जबकि पिता ने आत्मनिर्भरता का महत्व समझाया। स्कूली जीवन में वे पढ़ाई के साथ सामान्य बच्चों की तरह खेल,कूद और मनोरंजन में भी रुचि रखते थेए परंतु परीक्षा के समय उनका समर्पण साफ दिखाई देता था। दसवीं में उत्कृष्ट अंक लाने के बाद उन्होंने विज्ञान को अपना रास्ता चुना। उनके सामने इंजीनियरिंग और चिकित्सा दोनों विकल्प थेए और दोनों में सफलता के बावजूद उनका मन चिकित्सा की ओर खिंचता चला गया। डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करने का सपना उनके भीतर गहराई से बस गया था। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में उन्होंने ऐसे अंक प्राप्त किए जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अंतर्गत मेडिकल सीट पाने के लिए पर्याप्त थे। यहीं से संघर्ष का वह अध्याय शुरू हुआ जिसने उनकी कहानी को असाधारण बना दिया। प्रशासनिक देरी और नीतिगत विसंगतियों के कारण उन्हें वह अवसर नहीं मिल सका जिसके वे अधिकारी थे। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि निजी कॉलेज की महँगी फीस वहन की जा सके। इस स्थिति में अधिकांश छात्र निराश होकर समझौता कर लेतेए लेकिन अर्थव ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने तय किया कि वे अपने अधिकार के लिए लड़ेंगे और न्याय की राह चुनेंगे। यह निर्णय जोखिम भरा थाए क्योंकि उनके पास कानूनी शिक्षा नहीं थी और वकील रखने के लिए पैसे भी नहीं थेए फिर भी उन्होंने स्वयं याचिका तैयार करने का साहस दिखाया।

उन्होंने इंटरनेट और पुस्तकों की सहायता से कानून और संविधान के प्रावधानों का अध्ययन शुरू किया। अनुच्छेदोंए नियमों और पूर्व निर्णयों को समझते हुए उन्होंने अपने तर्कों को व्यवस्थित किया। याचिका तैयार करनाए दस्तावेज जुटाना और प्रस्तुतिकरण बनाना,यह सब उन्होंने स्वयं किया। यह प्रक्रिया केवल कानूनी तैयारी नहीं थीए बल्कि आत्मविश्वास की परीक्षा भी थी। अदालत में स्वयं खड़े होकर अपनी बात रखना किसी अनुभवी व्यक्ति के लिए भी आसान नहीं होताए लेकिन उन्होंने इसे अपने लक्ष्य की दिशा में आवश्यक कदम माना। जब मामला न्यायालय में पहुँचा तो उनकी सादगी और स्पष्टता ने सबका ध्यान खींचा। उनके शब्दों में कोई दिखावा नहीं थाए केवल तर्क और विश्वास था। अदालत के समक्ष प्रस्तुत होते समय उन्होंने जिस विनम्रता और संयम का परिचय दियाए वह उनकी परिपक्वता को दर्शाता है। सीमित समय में उन्होंने अपने पक्ष को तथ्य और उदाहरणों के साथ रखा और यह स्पष्ट किया कि प्रशासनिक देरी के कारण उनका मौलिक अधिकार प्रभावित हुआ है। उनके तर्कों में भावनात्मक अपील कम और तर्कसंगतता अधिक थीए जिसने न्यायालय को प्रभावित किया। अंततः न्यायालय ने उनके पक्ष में निर्णय दिया और उन्हें वह अवसर मिला जिसकी वे लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। यह निर्णय केवल एक छात्र की सफलता नहीं थीए बल्कि यह उन अनेक विद्यार्थियों के लिए आशा का संदेश था जो समान परिस्थितियों से गुजरते हैं।

इस पूरी घटना ने समाज में कई प्रश्न भी उठाए। शिक्षा व्यवस्था में नीतियों के क्रियान्वयन की खामियाँ उजागर हुई और यह स्पष्ट हुआ कि आरक्षण और अवसरों से जुड़ी योजनाएँ तभी सार्थक होती हैं जब उनका सही और समय पर पालन हो। अर्थव की जीत ने यह भी दिखाया कि कानूनी जागरूकता कितनी महत्वपूर्ण है। यदि नागरिक अपने अधिकारों और प्रक्रियाओं को समझेंए तो वे अन्याय के विरुद्ध आवाज उठा सकते हैं। यह कथा हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि शिक्षा केवल परीक्षा पास करने का माध्यम नहींए बल्कि जागरूक नागरिक बनने का आधार भी है। अर्थव की सफलता में उनके परिवार और शिक्षकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं थी। संसाधनों की कमी के बावजूद परिवार ने उनका मनोबल बनाए रखा और शिक्षकों ने उन्हें स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी। यह सामूहिक समर्थन ही था जिसने उन्हें कठिन समय में टूटने नहीं दिया। उनकी कहानी इस तथ्य को रेखांकित करती है कि एक व्यक्ति की सफलता अक्सर कई लोगों के विश्वास और सहयोग का परिणाम होती है। यह केवल व्यक्तिगत परिश्रम की कथा नहींए बल्कि सामाजिक सहयोग का भी उदाहरण है।

आज जब वे चिकित्सा शिक्षा की राह पर आगे बढ़ रहे हैंए तो उनका लक्ष्य केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं है। वे समाज को कुछ लौटाने की इच्छा रखते हैंए विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ स्वास्थ्य सुविधाएँ कम उपलब्ध हैं। उनके अनुभव ने उन्हें संवेदनशील बनाया है और वे जानते हैं कि संघर्ष की पीड़ा क्या होती है। यही अनुभव उन्हें भविष्य में एक संवेदनशील चिकित्सक बनने की दिशा में प्रेरित करेगा। उनकी यात्रा यह भी दिखाती है कि सफलता का वास्तविक अर्थ केवल मंजिल तक पहुँचना नहींए बल्कि उस रास्ते से सीखना है जो हमें वहाँ तक ले जाता है। अर्थव चतुर्वेदी की कथा हमें याद दिलाती है कि सपने देखने और उन्हें साकार करने के बीच संघर्ष का पुल होता है। यह पुल पार करने के लिए साहसए धैर्य और ज्ञान की आवश्यकता होती है। उनकी कहानी उन युवाओं के लिए संदेश है जो परिस्थितियों से घबराकर अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं। यह बताती है कि कठिनाइयाँ अंत नहींए बल्कि एक नई शुरुआत हो सकती हैं। जब एक साधारण छात्र अपने दम पर न्याय की राह खोज सकता हैए तो यह समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बन जाता है। अंततः यह कथा केवल एक सफलता की नहींए बल्कि उस विश्वास की है कि यदि मन में दृढ़ता होए तो साधारण पृष्ठभूमि से उठकर भी असाधारण उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं।

महेन्द्र तिवारी

राष्ट्र निर्माण का संकल्प परम्परा से प्रेरणा और भविष्य की दिशा

राष्ट्र केवल भू-भाग का नाम नहीं होता और न ही वह मात्र शासन-व्यवस्था से परिभाषित होता है। राष्ट्र व्यक्ति, संस्कृति, इतिहास, मूल्यों और साझा आकांक्षाओं की जीवंत अभिव्यक्ति है। भारत जैसे प्राचीन देश के लिए राष्ट्र की संकल्पना और भी व्यापक है, क्योंकि यहाँ राज्य से पहले सभ्यता थी, संविधान से पहले संस्कृति थी और सत्ता से पहले समाज था। आज जब हम राष्ट्र-निर्माण की बात करते हैं तो हमें अपने अतीत की उन जड़ों की ओर लौटना आवश्यक हो जाता है, जहाँ से हमारी राष्ट्रीय चेतना ने आकार लिया।

स्वाधीनता प्राप्ति का इतिहास हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र का निर्माण त्याग, तप और अनुशासन से होता है। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से जन-शक्ति को संगठित किया। सुभाष चन्द्र बोस ने अदम्य साहस और संघर्ष की भावना जगाई। जवाहरलाल नेहरू ने आधुनिक भारत के निर्माण का स्वप्न देखा और सरदार वल्लभभाई पटेल ने बिखरी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर राजनीतिक एकता स्थापित की। इन नेताओं के लिए सत्ता साध्य नहीं बल्कि साधन थी। उनका उद्देश्य व्यक्तिगत प्रतिष्ठा नहीं बल्कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण था। यही कारण है कि स्वतंत्रता के बाद भी राष्ट्र-निर्माण का कार्य एक सतत प्रक्रिया के रूप में चलता रहा।

किन्तु समय के साथ परिस्थितियाँ बदलीं। लोकतंत्र की स्थापना के बाद संविधान ने हमें अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी बोध कराया। परन्तु आज का परिदृश्य कई प्रश्न खड़े करता है। जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीयता के आधार पर समाज का विखंडन राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन रहा है। राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता की जगह अवसरवादिता बढ़ी है। सत्ता-प्राप्ति के लिए नैतिक मूल्यों से समझौते की प्रवृत्ति देखी जा सकती है। यह स्थिति उस आदर्शवाद से भिन्न है जो स्वतंत्रता आंदोलन के समय दिखाई देता था। आज राष्ट्र-निर्माण का अर्थ केवल आर्थिक विकास नहीं रह गया है। भौतिक प्रगति आवश्यक है, किन्तु उसके साथ नैतिक और सांस्कृतिक विकास भी उतना ही अनिवार्य है। यदि विकास के साथ चरित्र का निर्माण नहीं होगा तो समाज में असंतुलन उत्पन्न होगा। आधुनिक शिक्षा ने ज्ञान के नए आयाम खोले हैं, परन्तु यदि उसमें संस्कारों का समावेश न हो तो वह अधूरी रह जाती है। प्राचीन भारत में तक्षशिला विश्वविद्यालय और नालन्दा विश्वविद्यालय जैसे शिक्षाकेंद्र केवल बौद्धिक ज्ञान ही नहीं देते थे, बल्कि जीवन-मूल्यों की शिक्षा भी प्रदान करते थे। वहाँ स्वावलम्बन, अनुशासन और नैतिकता को शिक्षा का अभिन्न अंग माना जाता था। आज आवश्यकता है कि हम आधुनिकता और परम्परा के बीच संतुलन स्थापित करें।

युवाशक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होती है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब युवाओं ने सकारात्मक दिशा में ऊर्जा लगाई, तब-तब परिवर्तन हुआ। स्वतंत्रता संग्राम में युवाओं की भूमिका निर्णायक रही। आज भी वही ऊर्जा राष्ट्र-निर्माण का आधार बन सकती है, बशर्ते उसे सही दिशा मिले। आज के युवा तकनीक से जुड़े हैं, विश्व के विचारों से परिचित हैं और अवसरों से परिपूर्ण हैं। यदि उनमें राष्ट्र-प्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व और कर्तव्य-बोध का समावेश हो जाए तो वे भारत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकते हैं।

समकालीन संदर्भ में राष्ट्र-निर्माण का एक महत्त्वपूर्ण आयाम सामाजिक समरसता है। धार्मिक सहिष्णुता और विविधता में एकता भारतीय संस्कृति की विशेषता रही है। अतीत में भी अनेक मत और पंथ साथ-साथ पनपे। यदि हम संकीर्ण मानसिकता से ऊपर उठकर व्यापक दृष्टिकोण अपनाएँ तो विभाजनकारी प्रवृत्तियों को रोका जा सकता है। संगठन की शक्ति को समझना होगा। जैसे बँधी हुई झाड़ू के तिनके मिलकर स्वच्छता का कार्य करते हैं, वैसे ही संगठित समाज ही राष्ट्र को सुदृढ़ बना सकता है।

राष्ट्र-सेवा केवल युद्धभूमि में शत्रु से संघर्ष तक सीमित नहीं है। यह सेवा समाज के हर छोटे-बड़े कार्य में निहित है। ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, पर्यावरण की सुरक्षा करना और जरूरतमंदों की सहायता करना भी राष्ट्र-निर्माण का ही भाग है। जब उद्योगपति समाजहित में योगदान देते हैं, जब शिक्षक समर्पण के साथ विद्यार्थियों को संस्कार देते हैं, जब नागरिक कर का ईमानदारी से भुगतान करते हैं, तब राष्ट्र की नींव मजबूत होती है।

वर्तमान समय में वैश्वीकरण ने विश्व को एक सूत्र में बाँध दिया है। संचार क्रांति ने सीमाओं को लगभग प्रतीकात्मक बना दिया है। ऐसे में राष्ट्र-निर्माण का अर्थ आत्मनिर्भरता के साथ वैश्विक सहयोग भी है। हमें अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए विश्व से संवाद स्थापित करना होगा। जो श्रेष्ठ हमारे पास है उसे दुनिया के सामने रखना और जो अच्छा बाहर है उसे अपनाना ही संतुलित विकास का मार्ग है।

अंततः राष्ट्र-निर्माण एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें हर पीढ़ी की भागीदारी अनिवार्य है। अतीत हमें प्रेरणा देता है, वर्तमान हमें अवसर देता है और भविष्य हमसे संकल्प की अपेक्षा करता है। यदि हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को स्मरण रखते हुए आधुनिक चुनौतियों का सामना करें, शिक्षा में संस्कारों का समावेश करें, युवाओं में सेवा-भाव जगाएँ और समाज में समरसता को बढ़ावा दें, तो भारत न केवल भौतिक रूप से समृद्ध होगा बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी विश्व के लिए आदर्श बन सकेगा। यही सच्चे अर्थों में राष्ट्र-निर्माण का संकल्प है।

कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए।

तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है।

आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की 'नई गंगा' तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है।

इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी। बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

संपादकीय

मोबाइल को साधन बनाएं, स्वामी न बनने दें

तकनीक का उद्देश्य जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाना था, किंतु आज वही तकनीक मानव के समय, ध्यान और व्यवहार पर अधिकार करती दिखाई देती है। यही कारण है कि तकनीक के महत्वपूर्ण अविष्कार 'मोबाइल' को साधन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। मोबाइल आज मानव जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। इसके बिना दिनचर्या अधूरी-सी प्रतीत होती है। कभी जेब में, कभी हथेली में, कभी तकिए के नीचे और कई बार अनजाने में विवेक के ऊपर।आज के समय में यह केवल संचार का उपकरण नहीं रहा, बल्कि इक्कीसवीं सदी का सबसे प्रभावशाली सहचर बन गया है। विडंबना यह है कि हर समय जुड़े रहने के बावजूद आधुनिक मानव भीतर से अधिक अकेलापन अनुभव कर रहा है। आज अधिकांश लोगों की सुबह सूर्य दर्शन से पहले मोबाइल स्क्रीन दर्शन से शुरू होती है और रात भी उसी पर समाप्त होती है। दर्पण में स्वयं को देखने से पहले यह जानना अधिक आवश्यक हो गया है कि किसका संदेश आया, किसने पोस्ट को पसंद किया और किसने 'सीन' करके छोड़ दिया।यह बात सही है कि औपचारिक संदेशों से संपर्क तो बना रहता है, कुशलक्षेम का पता भी लगता रहता है,परंतु आत्मीय संवाद लगातार घटता जा रहा है। परिणामस्वरूप दूर बैठे लोग पास लगते हैं और पास बैठे लोग दूर होते चले जा रहे हैं। आधुनिक युग के अमीर-गरीब परिवार का मोबाइल एक सक्रिय सदस्य बन चुका है। छोटे बच्चे को खाना खिलाने, बहलाने और सुलाने से लेकर विद्यार्थियों के होमवर्क, प्रोजेक्ट और ऑनलाइन कक्षाओं तक हर जगह उसकी उपस्थिति अनिवार्य-सी हो गई है। वृद्धजनों के लिए यह भजन, प्रवचन और मनोरंजन का साधन है, तो कामकाजी वर्ग के लिए सीमित अवकाश में मनोरंजन का प्रमुख साथी। जन्म से लेकर विवाह और शोक-सूचनाओं तक, बैंकिंग, टिकट बुकिंग, डिजिटल भुगतान, ई-शासन, ऑनलाइन खरीदारी, स्वास्थ्य परामर्श और दूरस्थ शिक्षा–आज लगभग सब कुछ मोबाइल के माध्यम से संभव हुआ है। समय की बचत और सुविधाओं का विस्तार इसका सकारात्मक पक्ष है, किंतु इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही गहरा और चिंताजनक है। भोजन की थाली सामने हो, माता-पिता कुछ कहना चाहें या जीवनसाथी संवाद की अपेक्षा रखे,अक्सर उत्तर मिलता है, 'रुको, ज़रा एक ज़रूरी मैसेज देख लूँ,या भेज दूं।' यह जानते हुए भी कि वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग जानलेवा हो सकता है, फिर भी यह आदत छूट नहीं पाती। यहीं से प्रश्न उठता है कि 'क्या हम मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं या मोबाइल हमें उपयोग कर रहा है '?

आज प्रत्येक व्यक्ति के पास उसका निजी मोबाइल है। कुछ के पास तो एक से अधिक भी।इस यंत्र में उपयोग करने वाले की पूरी डिजिटल जन्मकुंडली सुरक्षित रहती है,मसलन क्या देखा, कब देखा, किससे बात की, कहाँ गया आदि। यही कारण है कि मोबाइल पर उपयोग कर्ता ने ताला लगा कर रखा है।यह एक ऐसा मूक जासूस बन गया है, जो मनुष्य की गोपनीयताओं से भली-भांति परिचित है। जहाँ यह बिछुड़ों को मिला सकता है, वहीं अविश्वास और संबंधों में दरार का कारण बन अपने प्रिय जनों को दूर भी कर सकता है। फैशन, विचारधाराएँ, सही-गलत और अच्छाई-बुराई की परिभाषाएँ भी आज मोबाइल से ही ग्रहण की जा रही हैं। यह ज्ञान का विशाल भंडार है। इसमें राजनीति, कला, विज्ञान, चिकित्सा, मौसम, अर्थशास्त्र और अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक का ज्ञान समाहित है। किंतु यह ज्ञान पूर्ण भी हो सकता है, अधूरा भी और भ्रामक भी। 'व्हाट्सऐप विश्वविद्यालय' के माध्यम से मोबाइल जहाँ जागरूक करता है, वहीं भ्रम, तनाव और वैमनस्य भी पैदा कर सकता है। विद्यार्थियों के लिए मोबाइल सरकारी योजनाओं, शिक्षा और रोज़गार के अवसरों की जानकारी, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, प्रारंभिक साक्षात्कार और 'वर्क फ्रॉम होम' जैसी संभावनाओं का सशक्त माध्यम है। किंतु इसका असीमित उपयोग उनकी एकाग्रता, स्मरण-शक्ति और धैर्य को प्रभावित कर रहा है। मोबाइल-आसक्ति नींद छीनती है, आँखों और गर्दन पर दबाव डालती है तथा सोच को कुछ सेकंड की रील तक सीमित कर देती है। साइबर अपराध के क्षेत्र में इसका दुरुपयोग और भी गंभीर है, यथा फर्जी कॉल, झूठे लिंक, डेटा चोरी, ब्लैकमेलिंग, साइबर बुलिंग और डीपफेक जैसी चुनौतियाँ तेज़ी से बढ़ रही हैं। मोबाइल घर की सुरक्षा में सहायक भी हो सकता है और आपकी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से चोरों को यह सूचना भी दे सकता है कि आप घर पर नहीं हैं। इन सब नकारात्मक पहलुओं के बावजूद मोबाइल की उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता है। आपात सहायता, टेलीमेडिसिन, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं की पहुँच, शिक्षा, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन तथा बुजुर्गों और दिव्यांगों की सहायता में इसकी भूमिका सराहनीय है। अतः निष्कर्ष स्पष्ट है कि मोबाइल मानव जीवन का आवश्यक साधन है, परंतु उसका स्वामी नहीं। संतुलित उपयोग, डिजिटल अनुशासन, सुरक्षा के प्रति सजगता और अपनों से प्रत्यक्ष संवाद ही इसे मानवता के लिए वरदान बना सकते हैं।

डा. मनमोहन प्रकाश

"शिव, काम और रतिः जीवन-संतुलन का त्रिकोण"

पौराणिक आख्यानों के अनुसार सौन्दर्य के देवता कामदेव ने भगवान शिव की तपस्या में विघ्न उत्पन्न किया और भगवान शिव ने उसे अपने तृतीय नेत्र की क्रोधाग्नि से भस्म कर दिया किन्तु जब काम की पत्नी रति ने शिव से प्रार्थना की और अपने पति को पुनः जीवित करने का वरदान माँगा तब शिव ने काम को देह रहित रूप में संसार को प्रभावित करने की शक्ति देकर उसे पुनर्जीवित कर दिया तथा वह मानसिक स्तर पर सक्रिय होकर संसार को संचालित करने लगा। उसके नए नाम मनसिज, मनोज, अनंग आदि प्रचलित हो गए।

'शिव' महादेव हैं और काम रूप-सौन्दर्य का देवता । दोनों एक ही कुल अर्थात देव-समूह के हैं किन्तु लोकजीवन में दोनों के प्रतीकार्थ भिन्न हैं। शिव कल्याण के प्रतीक हैं और कामदेव कामनाओं के, मनुष्य की विविध प्रकार की अभिलाषाओं के प्रतीक हैं । शिव अर्थात कल्याण का स्वरूप स्थिर है। वह परिवर्तित नहीं होता। वह शाश्वत है, सनातन है। इसीलिए शिव उच्च स्तर पर प्रतिष्ठित महादेव हैं और अधिक शक्ति सम्मान्न है। कामदेव का स्वरूप वैविध्यपूर्ण है। वे अपनी सकारात्मकता में रचनात्मक हैं किन्तु नकारात्मकता में भयंकर विध्वंसात्मक भी हैं। अतः वह देवता होकर भी महादेव के समकक्ष नहीं हैं । शिव द्वारा काम-दहन की कथा कल्याण के पथ पर कामनाओं के नियंत्रण का संदेश है। अच्छी-बुरी अनंत कामनाओं को साथ लेकर मनुष्य अपना कल्याण नहीं कर सकता, साथ ही वह समस्त कामनाओं को त्यागकर भी जीवित नहीं रह सकता। जीवन मैं सुख शांति और आनंद की प्राप्ति के लिए अच्छी कामनाओं का होना भी आवश्यक है। कामनाएं ही मनुष्य को कर्मपथ पर प्रेरित करती हैं। इसीलिए शिव एक बार काम को पूर्णतया समाप्त करके उसे पुनः जीवन देते हैं। अभिप्राय यह कि मानव-मन में निहित समस्त दुरभिलाषाओं को समाप्त कर संसार के कल्याण के लिए आवश्यक अभिलाषाओं को पुनः प्रोत्साहित करना मानव जीवन की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है।

कामदेव सौन्दर्य के देवता हैं। सौन्दर्य सदा आकर्षित करता है तथा मन में इच्छाओं को जन्म देता है। वे इच्छाएँ जब मानवीय गरिमा, सामाजिक मर्यादा और न्यायसंगत होती हैं तब शिव की कल्याणरुपिणी शक्ति बनती हैं किन्तु जब मानव मूल्यों के विरुद्ध निजी दुरभिलाषाओं और स्वार्थों के लिए सक्रिय होती हैं तब उनका नाश करना अथवा संयम के बल पर उन्हें नियन्त्रित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। काम के इस अशिव रूप का नाश किए बिना शिव अर्थात कल्याण प्राप्ति की साधना पूर्ण नहीं हो सकती।

कामदेव को भस्म करने वाला शिव का तृतीय नेत्र ज्ञान और वैराग्य का प्रतीक है। जब तक तीसरा नेत्र नहीं खुलता तब तक कामनाएँ भस्म नहीं होतीं। ज्ञान और वैराग्य का तीसरा नेत्र जब खुलता है तब मनुष्य के मन में संयम, संतोष, त्याग, परोपकार, अपरिग्रह जैसे मूल्य पुष्ट होते हैं और लोभ, मोह, अभिमान, स्वार्थपरता, हिंसा, व्यभिचार जैसी दुर्वृत्तियां समाप्त हो जाती हैं और कल्याण की प्राप्ति होती है।

भगवान शिव की रोषानल काम की देह को भस्म करती है। देह भौतिकता की प्रतीक है और सांसारिक प्रलोभनों की ओर संकेत करती है। कल्याण का विचार वही क्रियान्वित कर सकता है जो भौतिक सुख-सुविधाओं और लौकिक आकर्षणों से परे है। कामदेव का देहनाश 'जर-जोरू और जमीन' के लिए होने वाले संघर्ष को विराम देने का अर्थ व्यक्त करता है क्योंकि काम के इस भौतिक स्वरूप का नाश हुए बिना शिव की तपस्या अर्थात कल्याण की प्राप्ति असंभव है ।

काम के अनेक अर्थ हैं। काम को स्त्री-पुरुष के शारीरिक संबंध के अतिरिक्त धन, पद, यश, सम्मान आदि कामनाओं के अर्थ में भी ग्रहण किया जाता है। काम का स्वरूप अत्यंत सुन्दर है अर्थात इन समस्त कामनाओं की पूर्ति के लिए मनुष्य यदि दूसरों के अधिकारों का अपहरण, शोषण-उत्पीड़न न करे, माननीय गरिमा और सामाजिक मर्यादाओं के अनुरुप कार्य करे तो इनकी सकारात्मक सक्रियता जीवन में सौदर्य का विधान रचती है । अतः श्रेष्ठ इच्छाओं का मन में जीवित रहना जीवन के लिए आवश्यक है। इसीलिए ज्ञान के आवेश में शिव अपने तृतीय नेत्र से पहले तो कामदेव को भस्म कर देते हैं - अर्थात मन में पल रही अच्छी-बुरी समस्त इच्छाओं को पूर्ण रूप से समाप्त कर देते हैं किन्तु बाद में सांसारिक सुन्दरता की प्रतीक रति के विलाप को सुनकर लौकिक जीवन के सुख विधान के लिए सद अभिलाषाओं के रुप में कामदेव को पुनः नवजीवन दे देते हैं।

कामदेव की पत्नी रति सृष्टि की सुन्दरता की प्रतीक है। सुन्दरता की सार्थकता उसके विवेक सम्मत उपयोग में है, उपयोग की कामना में है। इसलिए काम का पुनर्जीवन आवश्यक है। रति और कामदेव-सुन्दरता और सुन्दरता के प्रति आकर्षण से उत्पन्न कामना-- दोनों सांसारिक जीवन रथ के दो चक्र हैं। उनके अभाव में जीवन असंभव है और जीवन के अभाव में कल्याण अर्थात शिव का भी कोई अर्थ नहीं रह जाता। मनुष्य रहित सृष्टि का सौन्दर्य किस काम का ? मनुष्य के अस्तित्व में ही रति-कामदेव और शिव--तीनों की सार्थकता है। तीनों की व्याप्ति से ही जीवन है, समाज है।

आज के समय में रति, काम और शिव के अर्थ बदल गए हैं। मनुष्य ने सहज प्राकृतिक जीवन, जीवन-मूल्यों और न्यूनतम आवश्यकताओं से मुख मोडकर कृत्रिम उपकरणों के अधिकतम उपयोग से जीवन की सुन्दरता 'रति' को क्षतिग्रस्त किया है। जीवन-मूल्यों की उपेक्षा करके 'कामदेव' का रूप विकृत कर दिया है और शिव की कल्पना अधिकतम भौतिक सुविधाओं में करके जीवन को संकटापन्न बनाया है। शिव का तृतीय नेत्र मोतियाविंद से ग्रस्त है। ज्ञान के आवरण के अज्ञान का पोषण होने से काम-दहन की क्रिया सम्पन्न नहीं हो पा रही है और वैश्विक स्तर पर काम का आवेग शिव की कल्याण-साधना में बाधक बना हुआ है। भगवान शिव के तृतीय नेत्र ज्ञान के वास्तविक स्वरूप को समझे बिना दुरभिलाषाओं का काम दहन नहीं हो सकता और सद्भिलाषाओं के अनंग को पुनर्जीवन मिले बिना विधवा रति का निरर्थक सौन्दर्य जीवन में आकर्षण उत्पन्न नहीं कर सकता। व्यक्ति के मन में शान्ति और सामाजिक जीवन को अपराध मुक्त करने के लिए ज्ञान और वैराग्य के तृतीय नेत्र का खुलना आवश्यक है। शिव, कामदेव और रति के इस निहितार्थ पर विचार करके ही आधुनिक जीवन को सुख-समृद्धि के पथ पर अग्रसर किया जा सकता है।

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

महाराज नगर में पुलवामा शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

बिसवां/सीतापुर। पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में ग्राम पंचायत महाराज नगर में मोमबत्ती जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय किसान यूनियन के जिला मीडिया प्रभारी शुभम रस्तोगी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया और उनकी वीरता व बलिदान को याद किया। शुभम रस्तोगी ने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। पूरा देश उनके परिवारों के साथ खड़ा है। कार्यक्रम में मो. समी, परवेज आलम, अकदस अंसारी, अफसर अंसारी सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने हाथों में मोमबत्ती लेकर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और देश की एकता व अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया।

अग्निवीर जी डी बनने को 837 युवाओं ने दिखाया दम, एएमसी स्टेडियम में कन्नौज-महोबा के अभ्यर्थी ने ट्रैक पर लगाई दौड़

लखनऊ। छावनी के एएमसी स्टेडियम में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली के दसवें दिन रविवार को भी युवाओ का जोश देखते ही बना। स्टेडियम में बने ट्रैक पर 837 युवाओं ने अपना भाग्य आजमाया। दौड़ में सफल होने वाले अभ्यर्थी अगले चरणों में शामिल हुए, वहीं, असफल अभ्यर्थी मायूस होकर अपने घरों को लौट गए। एएमसी स्टेडियम में सेना भर्ती मुख्यालय लखनऊ के अंतर्गत आने वाले 13 जिलों के अभ्यर्थी हिस्सा ले रहे हैं। इस रैली में लखनऊ ,औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर और फतेहपुर के उन लगभग 13 हजार अभ्यर्थियों को शामिल होने के लिए बुलावा पत्र भेजा गया है, जिन्होंने सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) में सफलता हासिल की थी। अभ्यर्थियों को कोई असुविधा न हो इसके लिए प्रतिदिन दो जिलों की तहसीलों के करीब एक हजार युवाओं को रैली में शामिल किया जा रहा है। रविवार को अग्निवीर जनरल ड्यूटी (जीडी) के लिए कन्नौज जिले की छिबरामऊ, कन्नौज, तिर्वा और हसेरन और महोबा जिले के अंतर्गत कुलपहाड़, चरखारी और महोबा की तहसीलों के अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। इन तहसीलों के कुल 1163 अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र भेजा गया था, जिसमें 837 अभ्यर्थियों ने इस भर्ती रैली में हिस्सा लिया। अब सोमवार को अंतिम दिन अग्निवीर जनरल ड्यूटी (जीडी) के लिए औरैया जिले की बिधूना, औरैया और अजीतमाल तहसीलों और बाराबंकी जिले के फतेहपुर, रामनगर, नवाबगंज, सिरसाऊली, गौसपुर, रामासनेहीघाट और हैदरगढ़ तहसीलों के लिए भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। मध्य कमान के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने कहा कि अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और दलालों के झांसे में न आएं या किसी भी गलत तरीके का इस्तेमाल न करें, क्योंकि सेना में चयन पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी होता है, जिसका मकसद सशस्त्र बलों के लिए सबसे अच्छे व योग्य अभ्यर्थियों का चयन करना है।

लखनऊ में डीआरआई की बड़ी कार्रवाई: काठमांडू से दिल्ली ले जाई जा रही 10 करोड़ की हेरोइन पकड़ी, एक गिरफ्तार

लखनऊ। नेपाल से लखनऊ के रास्ते दिल्ली भेजी जा रही हेरोइन की बड़ी खेप को पकड़ा गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय की टीम ने बीबीडी के पास काठमांडू से दिल्ली जा रही एक बस में छापेमारी करके 10.40 करोड़ रुपये कीमत की 5209 ग्राम हेरोइन बरामद की है। टीम ने दिल्ली निवासी संदीप को गिरफ्तार किया है। राजस्व खुफिया निदेशालय को सूचना मिली थी कि काठमांडू से लखनऊ के रास्ते हेरोइन की खेप भेजी जा रही है। इसे दिल्ली और एनसीआर के युवाओं को बेचा जाना था। टीम ने बीबीडी के पास काठमांडू से दिल्ली जा रही बस की जांच की। एक यात्री के सामान की गहन तलाशी की गई। उसके पास चार पैकेटों में रखा 5,209 ग्राम सफेद पाउडरनुमा पदार्थ बरामद हुआ। मौके पर फील्ड टेस्ट हुआ तो पदार्थ हेरोइन पाया गया। बरामद हेरोइन की कीमत 10.418 करोड़ बताई जा रही है। डीआरआई की टीम ने बीबीडी के पास सादी वर्दी में बस को रुकवाया तो उसके स्टाफ ने इसका विरोध किया। बस को हाईवे किनारे लगवाकर यात्रियों के सामान की गहन तलाशी ली गई। बरामद हेरोइन को एनडीपीएस अधिनियम 1985 के प्रविधानों के तहत जब्त किया गया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। कि मेरा नाम कुमार अमित पुत्र शैलेंद्र कुमार शाही सीआईएसफ कॉलोनी ओ ता वि प ओबरा, थाना ओबरा जनपद सोनभद्र मैं निवास रात हूँ, मेरी पुत्री शिप्रा शाही (SHIPRA SHAHI) का नाम KENDRIYA VIDYALAY में त्रुटि की वजह से SHIPRA SAHI दर्ज हो गया है जो कि गलत है । जबकि मेरा सही नाम शिप्रा शाही (SHIPRA SHAHI) है अतः भविष्य में मुझे शिप्रा शाही (SHIPRA SHAHI) जो कि सही है इसी नाम से जाना और पहचाना जाए।

मिश्रिख में किसान सम्मेलन आयोजित, विदेशी कृषि उत्पादों के खिलाफ मुखर हुआ राष्ट्रीय किसान मंच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख तहसील क्षेत्र में राष्ट्रीय किसान मंच के तत्वावधान में एक किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों के हितों से जुड़े अहम मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में खेती का वास्तविक लाभ किसानों तक नहीं पहुंच पा रहा है, बल्कि बड़े उद्योगपतियों को इसका अधिक फायदा मिल रहा है। साथ ही खेती योग्य भूमि लगातार घटने से ग्रामीण युवाओं के सामने रोजगार का संकट और गहराता जा रहा है।

प्रदेश प्रभारी मोहित मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारतीय बाजार में अमेरिकी अनाज, फल और सब्जियों को बिना टैक्स प्रवेश की अनुमति दी गई, तो देश के किसानों की फसलें उचित मूल्य पर नहीं बिक पाएंगी। इससे किसानों को आर्थिक तंगी और भुखमरी जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय किसान मंच इसके खिलाफ संघर्ष करेगा और किसी भी हालत में विदेशी कृषि उत्पादों के खुले बाजार का विरोध किया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन तहसील अध्यक्ष अमरीश कनौजिया के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर तहसील मिश्रिख कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। सम्मेलन में ज्ञानेंद्र सिंह, रोहित राजवंशी, रामस्वरूप राजवंशी, भारतेंदु मिश्र, राजन मिश्रा, जगदीश राठौर, परीक्षित सिंह, धर्मेंद्र सिंह, कमलेश सिंह, मणिकांत कनौजिया, रामगोपाल कनौजिया, रमेश सिंह, राकेश कटियार, सर्वेश राजवंशी (प्रधान), के.के. मिश्रा (पूर्व प्रधान) सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। इसके अलावा कई गांवों के किसानों ने राष्ट्रीय किसान मंच की सदस्यता भी ग्रहण की। मिर्जा अख्तर बेग और मिर्जा नईम बेग भी कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद रहे।

सम्मेलन के अंत में वक्ताओं ने एक स्वर में मांग की कि ऐसी कृषि नीतियां बनाई जाएं जो किसान को मजबूत करें, न कि उसे बाजार की मार के हवाले छोड़ दें। किसानों ने खेती बचाने और गांवों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए संगठित संघर्ष का संकल्प भी लिया।

महाशिवरात्रि पर मिश्रिख में धूमधाम से निकली भगवान शिव की पालकी, दधीचि कुंड की हुई परिक्रमा

मिश्रिख सीतापुर महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मिश्रिख स्थित प्रसिद्ध दधीचि तीर्थ पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दधीचे श्वर नाथ मंदिर से भगवान शिव की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। पालकी यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर पावन दधीचि कुंड के चारों ओर परिक्रमा करते हुए पुनः दाधिचेश्वर नाथ मंदिर में पहुंची। मंदिर पहुंचने के उपरांत भगवान शिव का विधिवत श्रृंगार एवं भव्य आरती संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आरती के बाद भक्तों के बीच प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिससे पूरा तीर्थ परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर हो गया। यह धार्मिक आयोजन दधीचि कुंड के प्रधान पुजारी राहुल शर्मा के नेतृत्व में प्रत्येक वर्ष श्रद्धा और परंपरा के अनुसार संपन्न कराया जाता है, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु भाग लेते हैं। आयोजन को सफल बनाने में मिश्रिख पुलिस प्रशासन का भी सराहनीय सहयोग रहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ।

मिश्रिख में 84 कोसीय परिक्रमा की तैयारियों को लेकर दधीचि कुंड का प्रशासनिक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख सीतापुर मिश्रिख क्षेत्र में आगामी 84 कोसीय परिक्रमा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आज मिश्रिख स्थित प्रसिद्ध दधीचि कुंड का निरीक्षण डॉ. राजा गणपति आर एवं अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान दधीचि कुंड के प्रधान पुजारी राहुल शर्मा ने तीर्थ परिसर के चारों ओर हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग जिलाधिकारी से की। इस पर जिलाधिकारी ने पूरे परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और तीर्थ क्षेत्र की पवित्रता बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

पुजारी राहुल शर्मा द्वारा दाधिचेश्वर नाथ मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन भी कराया गया। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद मिश्रिख एसडीएम व लेखपाल को स्पष्ट निर्देश दिए कि तीर्थ परिसर से शीघ्र अवैध कब्जे हटाए जाएं, ताकि परिक्रमा में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर मिश्रिख के एसडीएम, सीओ, कोतवाली प्रभारी सहित कई प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन का कहना है कि परिक्रमा को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कम्प्यूटर प्रशिक्षुओं को वितरित किए गए प्रमाणपत्र

- अगले सत्र से एआई कोर्स की तैयारी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के तेजगांव कॉम्प्लेक्स स्थित कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में रविवार को प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें विभिन्न कंप्यूटर कोर्स पूरा करने वाले 60 छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट दिए गए। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक योगेंद्र त्रिवेदी ने कहा कि आज के समय में कंप्यूटर ज्ञान आवश्यक हो गया है।रोजगार और स्वरोजगार दोनों में तकनीकी दक्षता की जरूरत है। संस्थान में ट्रिपल सी, ओ लेवल, वेब डिजाइनिंग, पाइथन प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन सहित अन्य तकनीकी कोर्स संचालित किए जा रहे हैं।आगामी सत्र से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े कोर्स शुरू करने की तैयारी है। कंप्यूटर ऑपरेटर पद के लिए भी विशेष कक्षाएं प्रस्तावित हैं। संस्थान की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर और दिव्यांग छात्रों को निशुल्क प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इस मौके पर प्रशिक्षक संध्या गुप्ता, गौरव शुक्ला, अनुष्का और सौरभ मौजूद रहे। बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं कार्यक्रम में शामिल हुए।

बाइक सवार को बचाने में ई-रिक्शा पलटा, तीन महिलाएं घायल

दुर्घटना/हादसा

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे में नवीन कृषि मंडी परिषद के पास रविवार को एक ई-रिक्शा पलट गया। हादसे में तीन महिलाएं घायल हो गईं। महिलाएं ऐहार गांव स्थित बाल्हेश्वर मंदिर से दर्शन कर लौट रही थीं। ई-रिक्शा में महिलाएं और बच्चे सवार थे। गांधी चौराहा स्थित मंडी समिति गेट के सामने अचानक एक बाइक सवार आ गया। उसे बचाने के प्रयास में ई-रिक्शा असंतुलित हो गया और सड़क पर पलट गया। हादसे में धन्नीपुर गांव निवासी कंचन, सविता और गुड़िया गंभीर रूप से घायल हो गईं। बच्चे सुरक्षित बच गए। मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद ई-रिक्शा चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

वान्या फाउंडेशन की महत्वपूर्ण बैठक का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर वान्या फाउंडेशन की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन तहसील बिसवां के सभागार मे किया गया। बैठक मे महिला हिंसा,शिक्षा,स्वास्थ्य को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वान्या फाउंडेशन की अध्यक्ष रेखा गुप्ता ने कहा ग्राम पंचायत मे सामाजिक न्याय का आधार ही बराबरी है।इसके लिए संगठित होकर अपने आस पास एक दूसरे का सहयोग करे ,सहयोग से ही समाज मे सभी के साथ न्याय होगा ।भेदभाव एक दूसरे के साथ आरोप प्रत्यारोप से उत्पन्न होता है जिससे समाज मे विभाजन होता है। सचिव रामलली पटेल ने कहा आगामी आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर अपने विचार साझा किया। उन्होने कहा महिलाओ की गरिमा मान सम्मान अधिकारों के लिए गांव गांव सम्पर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। आठ मार्च को बिसवां मे महिला दिवस को रैली निकालने का निर्णय लिया गया। संस्था की कमरुन निशा ने कहा बाल विवाह जैसी कुरीतिया आज भी आजाद भारत मे प्रचलित है इस जागरुकता से रोका जा सकता है।इस मौके पर शीला कठेरिया, हरीशंकर गुप्ता, वीना, प्रियंका कनौजिया, विजेता कश्यप,अनीता देवी, अनीता वर्मा, पिंकी यादव, फूलजहाँ बानो, अंशिका मिश्रा, अंजू यादव, अस्ति मिश्रा आदि प्रमुख रहे।

लखनऊ मेट्रो में कल से शुरू होगी क्यूआर टिकटिंग सुविधा, अब घर बैठे ऐप से टिकट बुक करा सकेंगे यात्री

- सोमवार से लखनऊ मेट्रो में क्यूआर टिकटिंग शुरू।
- यात्री ऐप, टीवीएम, काउंटर से टिकट बुक करें।
- लंबी लाइनों से मिलेगी मुक्ति, यात्रा तेज होगी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों के लिए सोमवार से एक नई व्यवस्था लागू होगी। दिल्ली मेट्रो की तरह लखनऊ मेट्रो में भी क्यूआर कोड वाली टिकटिंग प्रणाली शुरू होगी। मेट्रो के आधिकारिक ऐप से यात्री घर बैठे अपनी यात्रा के टिकट बना सकेंगे। मेट्रो स्टेशन पर इस नई व्यवस्था से यात्रियों को टिकट बनाने में पहले की अपेक्षा कम समय लगेगा।

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन (यूपीएमआरसी) के एमडी सुशील कुमार सोमवार सुबह 10 बजे हजरतगंज मेट्रो स्टेशन से इस नई व्यवस्था का शुभारंभ करेंगे। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से मुंशीपुलिया के बीच नार्थ -साउथ कारिडोर पर प्रतिदिन लगभग 80 हजार यात्री सफर करते हैं। कृष्णानगर, सिंगारनगर, हजरतगंज इस कारिडोर के सबसे व्यस्त मेट्रो स्टेशनों में शामिल हैं, जहां से सबसे अधिक यात्री सफर करते हैं। इन मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों को मौजूदा टोकन प्रणाली के टिकट लेने के लिए लंबी लाइन लगना पड़ रहा है।

सिंगारनगर और कृष्णानगर मेट्रो स्टेशन पर तो आधा घंटा तक का समय लग जाता है। ऐसे में यात्रियों का सफर स्मार्ट बनाने के लिए यूपीएमआरसी ने क्यूआर कोड आधारित टिकट प्रणाली लागू करने का आदेश दिया। नई व्यवस्था के तहत यात्री लखनऊ मेट्रो के आधिकारिक मोबाइल ऐप, टिकट वेंडिंग मशीन (टीवीएम) या टिकट काउंटर के माध्यम से क्यूआर टिकट आसानी से बुक कर सकेंगे।

आधिकारिक ऐप के माध्यम से टिकट बुक करने पर यात्रियों को उनके मोबाइल फोन में डिजिटल रूप में क्यूआर टिकट उपलब्ध होगा, जिसे वह मेट्रो स्टेशन पहुंचने पर स्कैन कराकर प्रवेश कर सकेंगे। इसी तरह टिकट काउंटर एवं टिकट वेंडिंग मशीन से पेपर क्यूआर टिकट प्राप्त किया जा सकेगा।

क्यूआर टिकट के माध्यम से यात्रा करने वाले यात्री मेट्रो स्टेशन के प्रवेश एवं निकास के दौरान पीली पट्टी से चिह्नित आटोमेटिक फेयर कलेक्शन (एएफसी) गेट पर क्यूआर टिकट को स्कैन कर आसानी से प्रवेश व निकासी कर सकेंगे। प्रवेश के समय और यात्रा पूर्ण होने पर निकास के समय दोनों ही स्थितियों में पीली पट्टी वाले गेट पर क्यूआर टिकट स्कैन करना अनिवार्य होगा।

मेट्रो प्रशासन ने की तैयारी

मेट्रो प्रशासन ने सभी मेट्रो स्टेशनों पर क्यूआर सपोर्ट करने वाली नई टिकट वेंडिंग मशीनें स्थापित की हैं। प्रत्येक स्टेशन पर कम से कम एक क्यूआर सपोर्टेड टिकट वेंडिंग मशीन एवं एक क्यूआर टिकट काउंटर की व्यवस्था की गई है। क्यूआर टिकट वेंडिंग मशीन पर यूपीआइ से भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। अन्य टिकट वेंडिंग मशीनों से पहले की तरह टोकन आधारित यात्रा की सुविधा जारी रहेगी।

क्यूआर टिकट उपलब्ध कराने वाली मशीनों पर विशेष क्यूआर सपोर्ट स्टिकर लगाए जाएंगे, जिससे यात्री इन्हें आसानी से पहचान सकें और बिना किसी परेशानी के क्यूआर टिकट प्राप्त कर सकें। एमडी सुशील कुमार ने बताया कि लखनऊ मेट्रो का यह कदम यात्रियों के समय की बचत के साथ-साथ कैशलेस, तेज़ और सुरक्षित यात्रा को बढ़ावा देगा।

महाशिवरात्रि पर बाल्हेश्वर मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

- हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा क्षेत्र, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रविवार को क्षेत्र के शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने शिवलिंगों पर जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से सुख-समृद्धि की कामना की। हर-हर महादेव और जय शिवशंकर के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित प्रख्यात बाल्हेश्वर भगवान शिव मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा श्रद्धालु पंक्ति में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। भक्तों ने भगवान शिव का अभिषेक कर बिल्वपत्र, दूब, धतूरा, पान और पुष्प अर्पित किए तथा भोग लगाकर मंगलकामनाएं कीं।

मंदिर में उमड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस बल तैनात रहा। मंदिर समिति के स्वयंसेवकों और पुलिस कर्मियों ने संयुक्त रूप से श्रद्धालुओं को दर्शन और अभिषेक में सहयोग दिया। मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित झिलमिल महाराज ने बताया कि लगभग 70 हजार श्रद्धालु बाबा भूतनाथ के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने इसे पौराणिक और अत्यंत शुभ संयोग बताया। मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव के दर्शन करने से जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। मंदिर के उप प्रबंधक कपिल देव तिवारी ने बताया कि श्रद्धालुओं और दुकानदारों की सुरक्षा को लेकर समिति और पुलिस प्रशासन चप्पे-चप्पे पर तैनात रहे। सोमवार शाम को भव्य आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

यूपी बजट 2026: निवेश का महाकुंभ और रोजगार की नई लहर, योगी सरकार ने बिछाया औद्योगिक क्रांति का जाल

- औद्योगिक विकास हेतु 27,103 करोड़ का प्रावधान, 13% की वृद्धि।
- वस्त्रोद्योग में 30,000 नए रोजगार सृजित करने का स्पष्ट लक्ष्य।
- डेटा सेंटर, एआई मिशन से उच्च कौशल आधारित करियर के अवसर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने बजट 2026-27 के जरिए प्रदेश को 'रोजगार का पावरहाउस' बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए हैं। इस वर्ष अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास के लिए ?27,103 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो पिछले बजट के मुकाबले 13 प्रतिशत अधिक है। सरकार की यह रणनीति केवल बुनियादी ढांचे के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह औद्योगिक क्लस्टर्स, मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और आधुनिक डेटा सेंटर्स के जरिए एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करने की है, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार की एक विशाल श्रृंखला खड़ी हो सके।

औद्योगिक क्लस्टर: उत्पादन के साथ नौकरियों की गारंटी

योगी सरकार ने क्लस्टर आधारित विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया है, क्योंकि एक बड़ी औद्योगिक इकाई के साथ दर्जनों सहायक इकाइयां खुद-ब-खुद विकसित होती हैं। बजट में एमएसएमई सेक्टर के लिए 3,822 करोड़ और वस्त्रोद्योग (टेक्सटाइल्स) के लिए 5,041 करोड़ का आवंटन इसी रणनीति का हिस्सा है। विशेष रूप से, वस्त्रोद्योग क्षेत्र में आगामी वर्ष में 30,000 नए रोजगार सृजित करने का स्पष्ट लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त, 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' के लिए 575 करोड़ का प्रावधान स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगा।

लॉजिस्टिक्स हब: सप्लाई चेन से सुधरेगा भविष्य

प्रदेश को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स मानचित्र पर स्थापित करने के लिए एक्सप्रेसवे और कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर निवेश बढ़ाया गया है। जेवर एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने हेतु ?1100 करोड़ और अन्य लिंक रोड्स के लिए करोड़ों का प्रावधान परिवहन लागत को कम करेगा। बेहतर सड़कों के नेटवर्क से वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज और वितरण केंद्रों का जाल बिछेगा, जो ड्राइवर और ऑपरेटर से लेकर सप्लाई चेन मैनेजर तक के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर पैदा करेगा।

डेटा सेंटर और एआई: डिजिटल इकोनॉमी की ओर बढ़ते कदम

डिजिटल क्रांति को अपनाने में यूपी सबसे आगे दिख रहा है, यही कारण है कि आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के बजट में 76 प्रतिशत की भारी वृद्धि करते हुए इसे ?2,059 करोड़ कर दिया गया है। 'उत्तर प्रदेश एआई मिशन' के लिए 225 करोड़ और पांच गीगावॉट क्षमता के पांच डेटा सेंटर क्लस्टर विकसित करने की योजना युवाओं के लिए उच्च कौशल आधारित करियर के नए रास्ते खोलेगी। इन केंद्रों के संचालन से आईटी इंजीनियरों, साइबर सुरक्षा विश्लेषकों और तकनीकी सपोर्ट स्टाफ की मांग में भारी इजाफा होगा।

बहुस्तरीय रोजगार मॉडल का विजन

सरकार का निवेश मॉडल 'निर्माण से संचालन' तक की पूरी श्रृंखला को कवर करता है। शुरुआती चरण में निर्माण कार्यों से मशीन ऑपरेटरों और श्रमिकों को काम मिलता है, तो वहीं औद्योगिक इकाइयों के उत्पादन शुरू करने पर फैक्ट्री कर्मियों और तकनीकी स्टाफ के लिए स्थायी नौकरियां पैदा होती हैं। अंततः, ये गतिविधियाँ स्थानीय बाजार और छोटे व्यवसायों को भी संजीवनी प्रदान करती हैं, जिससे समाज के हर वर्ग तक आर्थिक लाभ और सम्मानजनक रोजगार पहुँचता है।

गोमतीनगर स्टेशन पर बनेगा जीआरपी थाना, अब मामला दर्ज कराने के लिए नहीं भटकेंगे यात्री

- गोमतीनगर स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि।
- कानून व्यवस्था हेतु जीआरपी चौकी का अभाव बड़ी समस्या।
- जीआरपी ने चौकी के लिए स्थान स्वयं चिन्हित किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। पुष्पक एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के शिफ्ट होने के बाद गोमतीनगर स्टेशन पर यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। ऐसे में इस स्टेशन पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जीआरपी को संसाधनों के अभाव से जूझना पड़ रहा है। इस स्टेशन पर अब तक जीआरपी चौकी तक नहीं खुल सकी है। रेलवे को छह पत्र भेजने के बाद भी जीआरपी को चौकी के लिए स्थान उपलब्ध नहीं हो सका है। अब जीआरपी ने अपने स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। जीआरपी यहां पहले चौकी बनाएगी और फिर उसे थाने के रूप में अपग्रेड करेगी। रेलवे लखनऊ जंक्शन के दबाव को कम करने के लिए गोमतीनगर स्टेशन पर ट्रेनों की संख्या बढ़ा रहा है। करीब 350 करोड़ रुपये की लागत से छह प्लेटफार्मों वाले गोमतीनगर स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से विभूतिखंड की ओर बने गोमतीनगर स्टेशन का लोकार्पण किया था। इसके बाद यहां पटना व सहारनपुर की वंदे भारत एक्सप्रेस, बिहार और पश्चिम बंगाल की ओर जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया।

गोमतीनगर स्टेशन पर किया शिफ्ट

26 जनवरी से पुष्पक एक्सप्रेस और छपरा एक्सप्रेस को गोमतीनगर स्टेशन पर शिफ्ट कर दिया गया। रेलवे शताब्दी एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस और एसी डबल डेकर को भी शिफ्ट करने की तैयारी कर रहा है। अप्रैल से यात्री सुविधाएं निजी हाथों में सौंपने की तैयारी है। ऐसे में यात्रियों की लगातार संख्या बढ़ने के बावजूद अब तक रेलवे यहां जीआरपी चौकी बनाने के लिए स्थान उपलब्ध नहीं करा सका है।

रेलवे स्टेशन पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी जीआरपी की होती है। जीआरपी पर आने वाले खर्च का आधा राज्य सरकार और इतना रेलवे देता है। गोमतीनगर स्टेशन पर यात्रियों को सामान चोरी, मारपीट या अन्य कोई वारदात होने पर अपनी रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए लखनऊ या लखनऊ सिटी जीआरपी थाना आना पड़ेगा। वहीं, यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भी यह एक चूक है।

अब जीआरपी ने गोमतीनगर स्टेशन पर चौकी बनाने के लिए स्वयं ही स्थान चिन्हित किया है। इसकी जानकारी रेलवे को भेजी गई है। संयुक्त सर्वे कराकर जीआरपी यहां अपनी चौकी बनाएगी। एसपी रेलवे रोहित मिश्र बताते हैं कि गोमतीनगर स्टेशन पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जीआरपी थाना होना जरूरी है। यहां पहले चौकी बनायी जाएगी। अब तक रेलवे से चौकी के लिए स्थान आवंटित नहीं हो सका है। हालांकि जीआरपी ने जो स्थान चिन्हित किया है उस पर रेलवे ने सहमति दे दी है। संयुक्त सर्वे के बाद आवंटन की प्रक्रिया हो सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में 500 रुपये के विवाद में युवक की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। चांदनी चौक स्थित गांधी पार्क में 20 से 25 वर्षीय युवक की पत्थर से सिर कुचलकर बेरहमी की गई हत्या का मामला सुलझाते हुए कोतवाली थाना पुलिस की टीम ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान थाना आदर्श मंडी, जिला शामली, यूपी के जुनैद खान के रूप में हुई है। मृतक की पहचान कांचा के रूप में हुई थी। आरोपित ने कांचा की इसलिए हत्या कर दी थी क्योंकि उसने शराब के नशे में आरोपित से 500 रुपये मांगे थे। इसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ और आरोपित ने कांचा की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या के समय आरोपित के पहने हुए खून से सने कपड़े और खून से सना पत्थर बरामद कर लिया है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, सात फरवरी को कोतवाली थाने में सूचना मिली कि लेबर चौक, चांदनी चौक के पास गांधी पार्क में एक शव पड़ा हुआ है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां 20 से 25 वर्षीय युवक का खून से लथपथ शव मिला और उसके सिर पर गहरी चोटें थीं। मौके पर खून के धब्बों वाला एक बड़ा पत्थर भी मिला, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। मौके पर कोई चश्मदीद गवाह नहीं मिला और पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली

जांच के दौरान पुलिस टीम ने चांदनी चौक के आस-पास लगे 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिरों को तैनात किया। इसके अलावा चांदनी चौक के आसपास के इलाकों के 400 से अधिक स्थानीय लोगों, आवारा, श्रमिकों आदि से पूछताछ की गई। पांच दिन की तलाश के बाद, टीम को सुराग मिला कि कांचा नामक युवक को छह फरवरी की रात गांधी पार्क के पास जुनैद के साथ देखा गया था। मुखबिर की निशानदेही पर 12 फरवरी की देर उसे खोया वाली गली, लेबर चौक के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने मृतक की पहचान कांचा के रूप में की, जो लंबे समय से चांदनी चौक इलाके में आवारा रहता था और आस-पास के इलाकों में फुटपाथ या पार्क में सोने वाले श्रमिकों व आवारा लोगों की जेब से पैसे चोरी करता था।

पूर्वी दिल्ली के एक घर में मिला महिला का शव: सिर, पेट और हाथ पर मिले हमले के गहरे निशान; पति फरार

पूर्वी दिल्ली। ज्योति नगर इलाके में एक घर में अधेड़ महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। जांच में पाया गया कि सिर और पेट सहित हाथ पर धारदार हथियार से हमला किया गया है। चोटों के गहरे निशान इस बात की गवाही दे रहे हैं कि महिला ने खुद को बचाने का प्रयास किया होगा लेकिन हत्यारे को रहम नहीं आई। मृतक की पहचान विमला के रूप में हुई है। ज्योति नगर थाना ने हत्या का केस दर्जकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि, महिला का पति फरार बताया जा रहा है। पुलिस आस-पास के लोगों से भी दोनों के संबंधों के बारे में पूछताछ कर रही है। ज्योति नगर इलाके में एक घर में खून से लथपथ हालत में एक अधेड़ महिला का शव मिला हुआ है। सिर पर भारी वस्तु के निशान मिले हैं जबकि हाथों की नसों को किसी धारदार हथियार से काटा गया है। वारदात को उस वक्त अंजाम दिया गया जब महिला अपने घर पर अकेली थी। आशंका व्यक्त की जा रही है कि लूट व संपत्ति विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जीटीबी अस्पताल के शवगृह में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ज्योति नगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। विमला देवी परिवार के साथ अमर कालोनी में रहती थी। परिवार के पति महावीर व दो शादीशुदा बेटे हैं। दोनों बेटे अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि रविवार सुबह महिला के घर से तेज दुर्गंध आ रही थी। पड़ोसियों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने पर स्थानीय महिलाएं दरवाजे को खोलकर अंदर गईं। एक कमरे में बेड पर महिला का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ था। सिर पर भारी वस्तु से वार के निशान थे जबकि दोनों हाथों की नसे कटी हुई थी। पुलिस को जांच में पता चला कि महिला अपने पति के अलग रहती थी। पति किसी काम से उत्तर प्रदेश गए हुए थे। पुलिस को आशंका है कि वारदात को अंजाम देने वाला कोई महिला का परिचित हो सकता है। घर में जबरदस्ती प्रवेश नहीं हुआ है।

जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना की ऐतिहासिक पहल, लड़कियों का स्नो वॉलीबॉल मैच ऑर्गनाइज, स्पोर्ट्स को मिलेगा बढ़ावा

● जम्मू-कश्मीर के बांदीपुरा में भारतीय सेना ऐतिहासिक पहल की है. सेना ने बांदीपोरा के गुरेज सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास बागटोर में लड़कियों का स्नो वॉलीबॉल मैच ऑर्गनाइज कराया है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जम्मू-कश्मीर के बांदीपुरा में भारतीय सेना ऐतिहासिक पहल की है. सेना ने बांदीपोरा के गुरेज सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल (स्थ्ष्ट) के पास बागटोर में लड़कियों का स्नो वॉलीबॉल मैच ऑर्गनाइज कराया है. भारतीय सेना बॉर्डर एरिया में स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने और युवा लड़कियों को मजबूत करने के लिए ये मैच शुरू किया है।

बताया जा रहा है कि इस पहल की स्थानीय लोगों ने बहुत तारीफ की है. हिस्सा लेने वालों ने इवेंट ऑर्गनाइज करने के लिए आर्मी का शुक्रिया अदा किया और कहा कि ऐसी एक्टिविटीज उन्हें आगे बढ़ने और स्पोर्ट्स को गंभीरता से लेने के लिए हिम्मत देती हैं. इस बीच कई लड़कियों ने उम्मीद जताई कि ऐसे कॉम्पिटिशन रेगुलर तौर पर होते रहेंगे, जिससे वे अपनी स्किल्स को बेहतर बना सकेंगी और भविष्य में लड़कों के साथ मुकाबला कर सकेंगी।

बर्फ से ढके मैदान में दिखा लड़कियों का जोश

सेना अधिकारी ने बताया कि बहुत ज्यादा सर्दी और मुश्किल इलाके के बावजूद, स्थानीय लड़कियों ने बड़े जोश के साथ हिस्सा लिया. बर्फ से ढके मैदान ने भी उनके जोश को कम नहीं किया और उन्होंने मैच में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे यह इवेंट एनर्जी और पक्के इरादे का जश्न बन गया. इस कॉम्पिटिशन ने दूर-दराज के इलाके में जोश भर दिया और युवा लड़कियों को अपना टैलेंट और कॉन्फिडेंस दिखाने के लिए एक कीमती प्लेटफॉर्म दिया. माना जा रहा है कि यह मौका देकर, आर्मी ने युवा एथलीटों का हौसला बढ़ाने और उनमें नया कॉन्फिडेंस जगाने में मदद की है।

स्थानीय लोगों से रिश्ते मजबूत करने की कोशिश

सेना की कोशिश है कि स्थानीय लोगों से रिश्तों को मजबूत किया जा सके. उनके बच्चों को स्पोर्टस की तरफ मोड़ा जाए. समय-समय पर ऐसी ही इवेंट कराए जाएं, जिससे दूर-दूराज के बच्चे मैच खेल सकें. साथ ही युवाओं के विकास के लिए नए रास्ते खोलने में मदद करती हैं। लगातार सपोर्ट और रेगुलर स्पोर्टिंग इवेंट्स से, ये युवा लड़कियां बेहतर मौकों और कॉम्पिटिटिव स्पोर्ट्स में ज्यादा हिस्सा लेने की उम्मीद कर सकती हैं।

CM मोहन यादव का हेलीकॉप्टर टेक ऑफ के दौरान लड़खड़ाया, लोगों की थमी सांसें, पायलट ने ऐसे किया कंट्रोल

● मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को खंडवा जिले के दौरे पर पहुंचे थे, जहां पंधाना में राज्य स्तरीय लाडली बहना योजना कार्यक्रम आयोजित हुआ. कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर उड़ान भरने लगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को खंडवा जिले के दौरे पर थे. इस बीच सीएम अपना कार्यक्रम समाप्त कर हेलीकॉप्टर में सवार होकर वापस जाने लगे. तभी उनका हेलीकॉप्टर टेक ऑफ के हवा में लड़खड़ाने लगा। हेलीकॉप्टर ने उल्टी उड़ान शुरू कर दी। ऐसा होता देख वहां मौजूद लोगों की सांसे कुछ देर के लिए थम गई. इस बीच पायलट ने स्थिति को संभाल लिया. कुछ देर हवा में रहने के बाद हेलीकॉप्टर सुरक्षित हवा में उड़ने लगा।

दरअसल, शनिवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खंडवा जिले के दौरे पर पहुंचे थे, जहां पंधाना में राज्य स्तरीय लाडली बहना योजना कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर उड़ान भरने लगा तो वहां मौजूद लोगों की सांसें कुछ पल के लिए थम गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हेलीकॉप्टर हवा में उठने के बाद कुछ सेकंड तक आगे बढ़ने की बजाय पीछे की ओर जाता हुआ नजर आया, जिससे आसपास मौजूद लोगों में हलचल और चिंता का माहौल बन गया। हालांकि पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत स्थिति को नियंत्रित किया और हेलीकॉप्टर ने धूल के गुबार के बीच सुरक्षित ऊंची उड़ान भर ली. इसके बाद मुख्यमंत्री की खंडवा से भोपाल तक की यात्रा सफलतापूर्वक पूरी हुई, जिससे प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक दलों ने राहत की सांस ली। बताया जा रहा है कि अभी तक सरकार की तरफ से इस पर किसी भी तरह का बयान नहीं आया है।

SP बोले- उड़ान में नहीं आई कोई दिक्कत

खंडवा SP मनोज कुमार राय का कहना है कि तकनीकी रूप से कुछ भी ऐसा नहीं था कि उड़ान में कोई दिक्कत आई हो. तुरंत संबंधित अधिकारियों से चर्चा की गई थी. उन्होंने बताया कि यह सामान्य बात है. टेक ऑफ के समय हेलिकॉप्टर अलग दिशा में था जबकि उसे दूसरी दिशा में जाना था. वह हवा में उठकर निर्धारित दिशा में जाने के लिए घूमने लगा. इसी बीच ज्यादा धूल उड़ने लगी गई. धूल और ज्यादा न उड़े इसलिए पायलट ने हेलिकॉप्टर की रफ्तार धीमी कर दी. फिर कुछ सेकेंड में ही हेलिकॉप्टर को थोड़ा नीचे लाकर स्टेट किया।

लाडली बहनों के खातों में ट्रांसफर किए 1800 करोड़

बता दें कि पंधाना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वन क्लिक के माध्यम से एक करोड़ पच्चीस लाख लाडली बहनों के खातों में 1800 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

India vs Pakistan: आउट ऑफ सिलेबस आ गए ईशान किशन................

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुछ अहम बातें

» पिछले 6 मैच में चौथी बार अभिषेक शून्य पर आउट हुए। वह विश्व कप के अपने दो शुरुआती मैचों में शून्य पर आउट होने वाले पूर्णकालिक सदस्य देश के तीसरे बल्लेबाज हैं।

» इमरूल कायस और आशीष नेहरा भी ऐसा कर चुके हैं। कायस और नेहरा ने विश्व कप में एक भी रन नहीं बनाया है।

» 3 मैच इस विश्व कप में इस मैदान पर इससे पहले हुए हैं। तीनों मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। इसमें पहली पारी का औसत 171 रहा है।

» इस टूर्नामेंट से पहले इस मैदान पर हुए आठ टी-20 में सभी मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम ने जीते थे। उन मैचों में पहली पारी का औसत 127 रहा था।

» 2014 से अब तक (इस मैच से पहले) भारत-पाक 11 टी-20 मैचों में भिड़ चुकी हैं, जिसमें लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम 10 बार जीती है। सिर्फ न्यूयार्क में 2024 विश्व कप में पहले खेलते हुए भारत जीता था।

» 06 पाकिस्तानी स्पिनरों ने इस पारी में गेंदबाजी की। विश्व कप में पहली बार किसी टीम ने ऐसा किया। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में ऐसा सिर्फ दो पूर्णकालिक सदस्य देशों ने ऐसा किया है।

स्पिनर द्वारा टी-20 पारी में फेंके गए सबसे ज्यादा ओवर

» 18 ओवर: पाकिस्तान बनाम आस्ट्रेलिया, कोलंबो, 2012

» 18 ओवर: पाकिस्तान बनाम भारत, कोलंबो, 2026

» 16 ओवर: अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड, दिल्ली, 2016

» 16 ओवर: अफगानिस्तान बनाम वेस्टइंडीज, नागपुर, 2016

» 16 ओवर: पाकिस्तान बनाम अमेरिका, कोलंबो, 2026

भारत ने बनाया सबसे बड़ा स्कोर

टी20 विश्व कप इतिहास में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा स्कोर (175) बनाया। ऐसे में पाकिस्तान को तेज शुरुआत की जरूरत थी। 176 रन चेज करने उतरी पाकिस्तान टीम को हार्दिक पांड्या ने पहले ओवर में झटका दिया। पहले ओवर की चौथी गेंद पर साहिबजादा फरहान कैच आउट हुए। रिंकू सिंह के हाथों में उनकी पारी ने दम तोड़ा। साहिबजादा फरहान ने 4 गेंदों का सामना किया और उनका खाता तक नहीं खुला।

बुमराह ने लिए 2 विकेट

दूसरे ओवर में जसप्रीत बुमराह ने मैच पर भारत की पकड़ को और मजबूत कर दिया। स्पिनर्स के लिए उपयोगी पिच पर भारतीय तेज गेंदबाज बुमराह ने अपने दूसरे ओवर में 2 विकेट चटकाए। दूसरी गेंद पर बुमराह ने सैम अयूब (6) को LBW आउट किया। ओवर की आखिरी गेंद पर बुमराह ने पाकिस्?तानी कप्?तान सलमान आगा को वापस भेज दिया। आगा ने 4 गेंदों का सामना किया और 4 रन बनाए।

बाबर का नहीं चला बल्ला

लगातार विकेट गिरने के बाद भी पाकिस्तान के बल्लेबाज लप्पे मारने में लगे थे। वह पार्टनरशिप की तरफ देख ही नहीं रहे थे। विकेटकीपर उस्मान खान और पूर्व कप्तान बाबर आजम ने चौथे विकेट के लिए 21 रन जोड़े। फिर अक्षर पटेल ने बाबर (5) को बोल्ड कर दिया।

6 ओवर के बाद पाकिस्तान को स्कोर 4 विकेट के नुकसान पर 38 रन था। टी20 विश्व कप में दूसरी बार हुआ है जब पावरप्ले के अंदर पाकिस्तान के 4 विकट गिर गए हों। इससे पहले 2014 में मीरपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 13/4 पर स्कोर हुआ था।

फिफ्टी से चूके उस्मान

इसके बाद उस्मान खान और शादाब खान ने पाकिस्तान की मैच में वापसी कराई। 10 ओवर के बाद टीम का स्कोर 71/4 था। 11वें ओवर में भारतीय उपकप्?तान अक्षर पटेल ने इस उस्मान और शादाब के बीच हुई 39 रनों की साझेदारी को तोड़ दिया। अर्धशतक की ओर बढ़ रहे उस्मान ने आगे बढ़कर कट मारने का प्रयास किया। विकेट के पीछे ईशान किशन ने कोई गलती नहीं की और स्टंप्स उखाड़ दिए। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज ने 34 गेंदों पर 44 रन की पारी खेली।

तिलक भी ले गए विकेट

7 नंबर पर उतरे मोहम्मद नवाज एक चौका लगाकर कुलदीप का शिकार बने। मैच पर भारत की पकड़ मजबूत होता देख भारतीय कप्तान ने अपने पार्ट-टाइमर को आजमाया। उन्होंने 13वां ओवर तिलक वर्मा को सौंपा। पहली ही गेंद पर शादाब खान (14) बड़ा शॉट लगाने गए और शिवम दुबे को कैच थमा बैठे। हार की दहलीज पर पहुंच चुकी पाकिस्तान को वरुण चक्रवर्ती ने दो झटके दिए।

16वें ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने फहीम अशरफ (10) को और चौथी गेंद पर अबरार अहमद (0) को डगआउट में भेज दिया। हालांकि, वह हैट्रिक से चूक गए। रिंकू सिंह ने फहीम का कैच लिया तो अबरार LBW आउट हुए।

अंत में उस्मान तारिक को हार्दिक पांड्या ने बोल्ड किया। भारत की ओर से हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट लिए। कुलदीप यादव और तिलक वर्मा को 1-1 विकेट मिला।

हवा की रफ्तार कम होने से प्रदूषण 'खराब' श्रेणी में बरकरार, आनेवाले दिनों में कैसी रहेगी स्थिति?

» दिल्ली में हवा की गति कमजोर, प्रदूषण 'खराब' श्रेणी में।

» सीपीसीबी के अनुसार, रविवार को दिल्ली का एक्यूआई 216 रहा।

» पीएम10 और पीएम2.5 का स्तर मानकों से लगभग दोगुना।

नई दिल्ली। राजधानी वासियों को प्रदूषित हवा से राहत मिलती नहीं दिख रही है। हवा की गति कमजोर होने से दिल्ली का प्रदूषण फिर 'खराब' श्रेणी में बना हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक इस समय दिल्ली की हवा में प्रदूषक कणों का स्तर लगभग दो गुना है। सीपीसीबी के मुताबिक रविवार को दिल्ली का एक्यूआई 216 रहा। इस स्तर की हवा को ''खराब'' श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पूर्व शनिवार को यह 230 के अंक पर रहा था। यानी 24 घंटे के भीतर इसमें 14 अंकों का सुधार हुआ है। लेकिन, अभी भी यह ''खराब'' श्रेणी में ही है। मानकों के मुताबिक रविवार की शाम चार बजे पीएम 10 का औसत स्तर 193.5 और पीएम 2.5 का स्तर 95.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर रहा। यानी दिल्ली-एनसीआर की हवा में मानकों से लगभग दोगुना प्रदूषण मौजूद है। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली का अनुमान है कि अगले दो दिनों के बीच वायु गुणवत्ता का स्तर इसी के आसपास रहेगा।

चित्रकूट में गौरिहार मंदिर को तोड़ने का विरोध, संत समाज ने खोला मोर्चा

● मध्य प्रदेश के चित्रकूट में साधु-संतों ने प्राचीन गौरिहार मंदिर को तोड़ने का कड़ा विरोध किया. संतों का कहना है कि एक तरफ सरकार 'सनातन धर्म' की रक्षा का ढोल पीट रही है जबकि दूसरी तरफ प्राचीन मंदिरों को नष्ट करने की योजना बना रही है. यह कैसा दोहरा चरित्र है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मध्य प्रदेश के चित्रकूट में साधु संतों ने प्राचीन गौरिहार मंदिर को गिराए जाने की योजना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. संतों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर प्राचीन धरोहरों और मठ-मंदिरों को नहीं तोड़ना चाहिए. सनकादिक महराज का कहना है कि ऐसे विकास का क्या मतलब, जिससे धरोहर ही नष्ट हो जाए. आक्रोशित संतों का ये भी कहना है कि एक तरफ सरकार 'सनातन धर्म' की रक्षा का ढोल पीट रही है और वहीं दूसरी तरफ प्राचीन मंदिरों को नष्ट करने की योजना बना रही है।

धरने में 50 से ज्यादा साधु-संत शामिल

नाराज संतों ने कहा कि यह दोहरा रवैया ठीक नहीं है. इस सांकेतिक धरने में अखाड़ों और मठों के 50 से ज्यादा साधु-संत शामिल हुए. दरअसल, चित्रकूट में सड़क चौड़ीकरण के दौरान प्रशासन ने प्राचीन गौरिहार मंदिर पर बुलडोजर कार्रवाई करने जा रही थी लेकिन ऐन वक्त पर कोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई को रोक दिया गया. साधु संतों में इसको लेकर भारी आक्रोश है।

'विरासत को बचाने आखिरी दम तक लड़ेंगे'

वहीं, धरनास्थल पर पहुंचे तहसीलदार और नगर पंचायत के अधिकारी ने संतों से बातचीत की. मुख्यमंत्री को देने के लिए ज्ञापन लिया. इस दौरान भरत मिलाप चरण पादुका मंदिर के महंत राममनोहर दास ने कहा कि वे अपनी सांस्कृतिक विरासतों को बचाने के लिए आखिरी दम तक लड़ेंगे।

करीब 300 साल पुराना है गौरिहार मंदिर

गौरिहार मंदिर करीब 300 साल पुराना माना जाता है. लोक मान्यताओं के मुताबिक, इस स्थान का संबंध भगवान श्रीराम के पुष्पक विमान के अवतरण स्थल से भी जोड़ा जाता है. हाल ही में यह मंदिर सड़क चौड़ीकरण परियोजना के कारण चर्चा में रहा. पिछले महीने सड़क निर्माण के लिए प्रशासन ने मंदिर के बरामदे के कुछ हिस्सों को हटाना शुरू किया था. स्थानीय लोगों और साधु-संतों के विरोध के बाद हाई कोर्ट ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर स्टे लगा दिया, जिसके बाद कार्रवाई रोक दी गई।

श्रीभूमि जिले के दरगारबन्द जीपी में 65 लाख रुपये की लागत से चार ग्रामीण सड़कों का शिलान्यास जीपी सभापति माला सिन्हा ने किया

● विधायक विजय के कार्यकाल में रामकृष्णनगर क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम पंचायत में सड़क सहित विभिन्न विकासात्मक कार्य हो रहे हैं: प्रणव मुखर्जी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली दरगारबन्द जीपी के आदर्श कृष्णनगर, बास्कालटील्ला, गुड़ामांजी भरटिल्ला और छनटिल्ला के ननियाटील्ला क्षेत्रों में विकास कार्य निरंतर जारी है। 15 फरवरी (रविवार) को एक ही दिन में 65 लाख रुपये की लागत से चार ग्रामीण सड़कों का शिलान्यास किया गया। ये सभी सड़कें Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA) के तहत बनाई जाएंगी। शिलान्यास समारोह में दूल्लभछड़ा जिला परिषद सदस्य प्रणव मुखर्जी एवं दरगारबन्द पंचायत सभापति माला सिन्हा उपस्थित रहे। उनके साथ जीपी के वार्ड सदस्यों ने भी संयुक्त रूप से परियोजनाओं का शुभारंभ किया। सबसे पहले आदर्श कृष्णनगर गांव की सड़क का शिलान्यास किया गया, जिसकी लागत 13 लाख 53 हजार 804 रुपये निर्धारित की गई है। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य प्रणव मुखर्जी ने कहा कि विधायक विजय मालाकार के कार्यकाल में रामकृष्णनगर क्षेत्र की प्रत्येक जीपी में सड़क सहित विभिन्न विकासात्मक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि आदर्श कृष्णनगर गांव की संपूर्ण सड़क निर्माण के लिए Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana के अंतर्गत एक परियोजना स्वीकृत की गई है, जिसका कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होगा। इससे ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही आवागमन और संचार संबंधी समस्याओं का समाधान होने की उम्मीद है। इसके बाद बास्कालटील्ला, गुड़ामांजी भरटिल्ला और छनटिल्ला के ननियाटील्ला क्षेत्रों में तीन अन्य सड़कों का भी शिलान्यास किया गया। 2025-26 वित्तीय वर्ष में इन चारों सड़कों के निर्माण पर कुल लगभग 65 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने से यह दिन उनके लिए विशेष महत्व रखता है। सड़क निर्माण से आवागमन सुगम होगा तथा स्थानीय लोगों और छात्र-छात्राओं को दैनिक यात्रा में काफी सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में दरगारबन्द जीपी के सह-अध्यक्ष श्यामकुमार सिन्हा, आदर्श कृष्णनगर की वार्ड सदस्य दीपा सिन्हा, वार्ड सदस्य बिमल सिन्हा, वार्ड सदस्य उत्तम सिन्हा, समाजसेवी दीपन् सिन्हा, मृणाल सिन्हा, दीपक सिन्हा, संतोष सिन्हा, स्वपन सिन्हा, दीपु सिन्हा, हैप्पी सिन्हा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

केरल की एलिन को राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई................

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

13 फरवरी को ब्रेन-डेड घोषित

दरअसल एलिन शेरिन अब्राहम 5 फरवरी को पथानामथिट्टा जिले के पल्लम बोर्मा जंक्शन पर एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी. इस दुर्घटना में विपरीत दिशा से आ रही एक कार ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी थी. कार में सवार एलिन घायल हो गई वहीं उनकी मां और दादा-दादी भी घायल हुए थे. चांगनास्सेरी और तिरुवल्ला में प्रारंभिक उपचार के बाद, बच्ची को कोच्चि ले जाया गया, जहां अमृता अस्पताल में इलाज के दौरान 13 फरवरी को उसे ब्रेन-डेड घोषित कर दिया गया।

परिवार ने अंगदान के लिए सहमति दी

इसके तुरंत बाद परिवार ने अंगदान के लिए सहमति दे दी. एलिन के के माता-पिता अरुण अब्राहम और शेरिन एन जॉन ने अपनी बच्ची के अंग दान करने का फैसला किया. बच्ची के लिवर, दो किडनी, हृदय वाल्व और कॉर्निया दान किए गए. एलिन के अंगों को शुक्रवार शाम 7.13 बजे कोच्चि के अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज से ग्रीन कॉरिडोर के जरिए लाया गया।

छह महीने की ध्रिया को रात 10.30 बजे शुरू हुई ट्रांसप्लांट सर्जरी में एलिन का लिवर मिला. ध्रिया केरल में किसी दूसरे बच्चे का लिवर पाने वाली सबसे कम उम्र की बच्ची बन गई. वहीं एलिन के हार्ट वाल्व तिरुवनंतपुरम में श्री चित्रा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी को दान कर दिए गए, जबकि उसके कॉर्निया को कोच्चि में ढ्रुस्र् के आई बैंक में भेज दिए गए. उन्हें सही ट्रांसप्लांट कैंडिडेट के लिए सुरक्षित रखा जाएगा.एलिन की किडनी तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में एक 10 साल की नेफ्रोलॉजी मरीज को डोनेट की गई. सर्जरी शनिवार सुबह सक्सेसफुली पूरी हुई।

'किशन का तूफान, बुमराह-हार्दिक का कहर: भारत ने पाकिस्तान को रौंदा

● 61 रनों से एकतरफा हराकर अब 8-1 का दबदबा!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सचिन बाजपेई

कोलंबो (श्रीलंका) टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए के 27वें मैच में भारत ने एक बार फिर अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को धूल चटाई। आर. प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो में खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की यह शानदार 61 रनों की जीत रही, जिससे उनका टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड 8-1 हो गया।

टॉस जीतकर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन भारतीय ओपनर इशान किशन ने पावरप्ले में ही मैच का रंग बदल दिया। इशान ने मात्र 40 गेंदों में 77 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें बड़े-बड़े छक्के और चौके शामिल थे। उन्होंने 27 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर पाकिस्तान के खिलाफ कई रिकॉर्ड तोड़े। तिलक वर्मा के साथ उनकी 87 रनों की साझेदारी ने भारत को मजबूत नींव दी। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 32 रन (28 गेंद) और शिवम दुबे ने 27 रन (17 गेंद) बनाकर स्कोर को 175 तक पहुंचाया।

पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और अब्रार अहमद ने कुछ विकेट लिए, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों के आक्रामक अंदाज के सामने वे बेबस नजर आए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने पावरप्ले में ही टॉप ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया। स्पिनर्स वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने मिडिल ओवरों में जाल बिछाया। वरुण ने लगातार दो गेंदों पर विकेट लेकर पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया। पाकिस्तान की पूरी टीम 114 रन पर सिमट गई। शाहीन अफरीदी ने 23 रन बनाए, लेकिन कोई भी बड़ा स्कोर नहीं कर सका।

भारतीय गेंदबाजी का प्रदर्शन कमाल का रहा - हार्दिक पांड्या ने अंतिम विकेट सहित

महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि बुमराह, अक्षर पटेल और वरुण ने किफायती स्पेल फेंके। इशान किशन को उनकी धमाकेदार पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत के साथ भारत ग्रुप ए से सुपर 8 में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। कोलंबो की स्पिन-फ्रेंडली पिच पर भारतीय स्पिनर्स ने अपना जादू दिखाया, जबकि बल्लेबाजों ने चुनौतीपूर्ण सतह पर भी आक्रामकता बनाए रखी।

पाकिस्तान को अब अगले मैचों में वापसी की जरूरत है, लेकिन भारत की टीम अपनी मजबूत फॉर्म और टीमवर्क से आगे बढ़ रही है। यह मैच दोनों टीमों के लिए भावनात्मक और प्रतिष्ठा का था, लेकिन भारत ने एकतरफा अंदाज में जीत हासिल कर अपनी श्रेष्ठता साबित की।